E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक-287 | प्रयागराज, सोमवार 23 फरवरी, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

नेपाल- नियंत्रण खो देने से बस हाईवे से नदी में गिरी,18 की मौत 25 घायल

काठमांडू। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। आर्म्ड पुलिस फोर्स के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। बस पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य

वजहों की भी जांच कर रही है।मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया।इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे। बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था। वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई।

मेक्सिको में ड्रग तस्कर की मौत के बाद भड़की हिंसा,रु136 करोड़ के इनामी था

मेक्सिको सिटी। मेक्सिकन सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन के तहत देश के सबसे बड़े ड्रग तस्कर को मार गिराया। एल मेंचो, जलिस्को

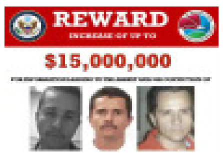

न्यू जनरेशन कार्टेल का लीडर था और दुनिया के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जलिस्को में सेना की कार्रवाई के दौरान वह घायल हुआ। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। उसकी मौत के बाद जालिस्को समेत कई राज्यों में एल मेंचो के समर्थकों ने हिंसक प्रदर्शन किया। कई जगह गाड़ियों में आगजनी की और घंटों तक हाईवे जाम कर दिया। समर्थकों ने एयरपोर्ट, पेट्रोल पंप और मॉल में भी तोड़फोड़ और आगजनी की। इस कार्टेल को सिनालोआ कार्टेल जितना ही ताकतवर माना जाता है, जो मेक्सिको के सबसे बदनाम क्रिमिनल ग्रुप में से एक है। इसकी मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने एल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। मेक्सिको में हालात बिगड़ने पर भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जालिस्को तमाउलिपास (रेनोसा), मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन राज्यों में रह रहे भारतीयों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। दूतावास ने नागरिकों से सुरक्षित स्थान पर रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और भीड़ से दूर रहने की अपील की है। साथ ही परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी देने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने और सहायता के लिए +52-55-4847-7539 पर भारतीय दूतावास से संपर्क करने की सलाह दी गई है। फिलहाल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों का ऑपरेशन जारी है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल सीजेएनजी के नाम से जाना जाता है।

1अप्रैल से टोल में कैश नहीं चलेगा-फास्टैग या यूपीआई से ही होगा पेमेंट-नकद लेनदेन पूरी तरह से होगा बंद

नयी दिल्ली। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया देश के टोल प्लाजा को पूरी तरह डिजिटल बनाने की तैयारी कर रही है। 1 अप्रैल 2026 से नेशनल हाईवे के सभी टोल प्लाजा पर कैश ट्रांजेक्शन को पूरी तरह बंद किया जा सकता है। इसके बाद टोल का भुगतान केवल फास्टैग या यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों से ही हो सकेगा। एनएचएआई का उद्देश्य टोल ऑपरेशन को ज्यादा पारदर्शी और सही बनाना है। अभी देश के 1,150 से ज्यादा टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिक टोल

कलेक्शन सिस्टम लागू है। एनएचएआई के अनुसार टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट की वजह से अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। खास तौर पर पीक ऑवर्स (भीड़ वाले समय) में नकद लेनदेन के कारण गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती हैं और छुट्टे पैसों को लेकर विवाद भी होते हैं। डिजिटल पेमेंट पूरी तरह अनिवार्य होने से ये समस्या नहीं रहेगी। देश में फास्टैग का इस्तेमाल काफी तेजी से बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, फिलहाल 98फीसदी से ज्यादा वाहनों में फास्टैग लगा हुआ है। नेशनल हाईवे शुल्क नियमों के मुताबिक, अगर कोई वाहन बिना एक्टिव फास्टैग के टोल प्लाजा की फास्टैग लेन में जाता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे दोगुना टोल वसूला जाता है। वहीं, अगर कोई यूजर यूपीआई के जरिए भुगतान करता है, तो उसे लागू टोल दर का 1.25 गुना चार्ज देना होता है। एनएचएआई का यह कदम देश के 1,150 से अधिक टोल प्लाजा और एक्सप्रेसवे पर लागू होगा। अथॉरिटी का मानना है कि पूरी तरह डिजिटल ट्रांजेक्शन होने से डेटा मैनेजमेंट में आसानी होगी और राजस्व की लीकेज भी रुकेगी। यह पहल सरकार के उस बड़े उद्देश्य का हिस्सा है जिसमें नेशनल हाईवे नेटवर्क को टेक्नोलॉजी से जोड़कर हाई-एफिशिएंसी वाला बनाना है।

बिना पिन डाले होंगे यूपीआई पेमेंट फोन-पे पर,फिंगरप्रिंट और फेस आईडी से कर सकेंगे रु5000 तक का भुगतान

नयी दिल्ली। डिजिटल पेमेंट दिग्गज फोन-पे ने अपने यूजर्स के लिए एक खास फीचर लॉन्च किया है। अब यूपीआई ट्रांजेक्शन करने के लिए बार-बार 4 या 6 अंकों का पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। यूजर्स अपने स्मार्टफोन के बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन यानी फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का इस्तेमाल करके सीधे भुगतान कर सकेंगे। फोन-पे ने बताया कि इस फीचर का मकसद पेमेंट को पहले से ज्यादा सुरक्षित और आसान बनाना है। फिलहाल यह सुविधा एंड्रॉयड यूजर्स के लिए शुरू की गई है, जिसे जल्द ही आईफोन यूजर्स के लिए भी रोलआउट किया जाएगा। फोन-पे के अनुसार अक्सर भीड़भाड़ वाली जगहों पर पेमेंट करते समय 'शोल्डर सर्फिंग' (पीछे से किसी का पिन देख लेना) का खतरा रहता था। बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से यह रिस्क पूरी

तरह खत्म हो जाएगा। इसके अलावा, कई बार यूजर्स अपना यूपीआई पिन भूल जाते हैं या गलत टाइप कर देते हैं, जिससे ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है। कंपनी ने इस 'वन-टच' पेमेंट मेथड के लिए एक लिमिट तय की है। यूजर्स बायोमेट्रिक के जरिए रु5,000 तक के ट्रांजेक्शन कर पाएंगे। सुरक्षा के मद्देनजर, अगर भुगतान की राशि रु5,000 से ज्यादा होती है, तो सिस्टम पहले की तरह ही यूपीआई पिन मांगेगा। स्टेप 1: सबसे पहले अपने फोन में फ़ोनपे ऐप ओपन करें। स्टेप 2: ऊपर बाईं ओर अपनी 'प्रोफाइल' फोटो पर क्लिक करें। स्टेप 3: नीचे की तरफ 'पेमेंट सेटिंग' में जाकर मैनेज पेमेंट्स पर टैप करें। स्टेप 4: यहाँ आपको 'बायोमेट्रिक पे' का आइकन दिखेगा, उस पर क्लिक करें। स्टेप 5: जिस बैंक अकाउंट के लिए यह सुविधा चाहिए, उसे सिलेक्ट करें और बायोमेट्रिक इनेबल करें। स्टेप 6: सेटअप पूरा करने के लिए एक बार अपना यूपीआई पिन डालें और बायोमेट्रिक का इस्तेमाल करके कन्फर्म करें।

बरसाना की महिलाएं लाठियों में लगा रहीं तेल,मथुरा में लट्ठमार होली की तैयारी जोरो से

मथुरा। मशहूर नंदगांव और बरसाना लट्ठमार होली के लिए तैयार है। नंदगांव यानी जहां श्रीकृष्ण

ने अपना बचपन बिताया। प्रभु के सखा स्वरूप में ग्वाले 8 किमी दूर बरसाना पहुंचेंगे। बरसाना यानी जहां राधाजी रहती थीं। यहां राधा रानी की सखियों के स्वरूप में हुरियारने उन पर लाठियां बरसाएंगी। 25 फरवरी की दोपहर 12 बजे नंदगांव के हुरियारे बरसाना के पीली पोखर पहुंचेंगे। यहां पगड़ी बांधेंगे, श्रृंगार के बाद वह लाडलीजी के दर्शन करेंगे। इसके बाद करीब 3किमी के दायरे में फैली कुंज गलियों से वह गुजरेंगे। जब हुरियारने ग्वालों पर लाठियां बरसा रही होंगी, तब उन्हें देखने के लिए करीब 15 लाख टूरिस्ट बरसाना में मौजूद रहेंगे। ब्रज दूल्हा मंदिर यहां पर हुरियारन तैयारियां कर रही हैं। यहीं पर पहली बार श्रीकृष्ण दूल्हा बनकर पहुंचे थे। इस मंदिर के कैंपस में हुरियारन लाठियों पर तेल लगाती हुईं दिख जाती हैं। इन सबो ने लहंगा और फरिया पहनने की परम्परा हैं। हाथ में एक-एक लाठी थी, महिलाएं होली के गाने गा रही थीं। माहौल में होली के रंग का अहसास हैं। बरसाना से करीब 1200 हुरियाने तैयार हो रही हैं। नए परिधान बनवाए जा रहे हैं। पूछने पर की क्या क्या कोई भी लड़की हुरियारन बन सकती है? विमला ने कहा- नहीं। सिर्फ वही लड़की हुरियारन बनती है, जो बरसाना की बहू हो। कुंवारी लड़कियां इसमें शामिल नहीं होती। वो सिर्फ देखती हैं। ऐसा लगता है कि सभी श्रीकृष्ण की सखियां हैं। ग्वाल चिढ़ाएंगे तो उन्हें सबक सिखाने का मौका मिलेगा। सबका यही भाव रहता है। लट्?ठमार होली में हुरियारों के लिए सबसे जरूरी है, उनकी ढाल। लाठियों के प्रहार से यही बचाती है, एक और खासियत यह है कि नंदगांव के हुरियारें ढाल तैयार करवाने के लिए बरसाना आते हैं। ढाल करीब 8किग्रा की होती है।

शादी के लिए माता-पिता की मंजूरी जरूरी-आवेदन करते ही घर वालो को व्हाट्सएप पर जानकारी मिलेगी

40 दिन बाद मिलेगा प्रमाण-पत्र

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने विधानसभा में विवाह पंजीकरण नियमों में संशोधन का ड्राफ्ट पेश किया है। प्रस्तावित ऑनलाइन पोर्टल शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम हो सके। इसमें पंजीकरण के लिए करेगी। सरकार का उद्देश्य लड़कियों की सुरक्षा और कानूनी संरक्षण सुनिश्चित करना है। सदन में इस

संशोधन के अनुसार, अब लव-मैरिज के लिए आवेदन करने पर लड़के-लड़की के माता-पिता को व्हाट्सएप के जरिए सूचित किया जाएगा और आवेदन के 40वें दिन शादी का प्रमाण-पत्र मिलेगा।

डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि हमें प्रेम विवाह से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर कोई सलीम सुरेश बनकर हमारी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाए, तो हम उसे नहीं छोड़ेंगे। संघवी ने कहा कि राज्य में एक ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जिससे माता-पिता की अनुमति से विवाह करने वालों को और प्रेम विवाह में अपनी झूठी पहचान न दिखाने वालों को कोई परेशानी न हो। नई व्यवस्था में नोटरी का काम सभी की उपस्थिति में करना होगा।

डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने आगे बताया कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में प्रेम विवाहों के पंजीकरण के लिए एक अलग आवेदन जमा होते ही, बेटी द्वारा विवाह पंजीकरण के लिए दी गई जानकारी माता-पिता को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दी जाएगी। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सदन में कहा कि राज्य सरकार प्रेम विवाह के खिलाफ नहीं है, लेकिन लड़कियों की सुरक्षा, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए विवाह पंजीकरण नियमों में संशोधन आवश्यक हो गया है। नए नियमों के तहत, दूल्हा-दुल्हन के साथ आने वाले गवाहों का पूरा विवरण, उनकी तस्वीरें और आधार कार्ड की प्रतियां देना अनिवार्य कर दिया गया है। अदालत में सरकार के साथ पंजीकरण कराना भी अनिवार्य होगा।

हर्ष संघवी ने कहा कि अगर शादी के बाद किसी लड़की को दहेज या संपत्ति को लेकर परेशान किया जाता है तो गुजरात पुलिस ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई संशोधन को पेश किए जाने पर बहस हुई और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और चर्चा होने की संभावना है। गुजरात विधानसभा में उपमुख्यमंत्री ने नियम 44 के तहत जनहित के एक महत्वपूर्ण विषय पर एक महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को प्राप्त विभिन्न अभ्यावेदनों पर विचार करते हुए, राज्य सरकार ने गुजरात विवाह पंजीकरण नियमों के अंतर्गत विवाह पंजीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए नियमों में संशोधन करने का निर्णय लिया है। इन संशोधनों पर जनता से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे और प्राप्त सुझावों पर विचार करने के बाद, अंतिम नए नियम लागू किए जाएंगे, ताकि विवाह पंजीकरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम हो सके।

तेजस विमान का ब्रेक फेल,लैंडिंग के दौरान हुआ हादसा,पायलट सुरक्षित,सभी 30 विमान ग्राउंड किए

नई दिल्ली। इंडियन एयर फोर्स का हल्का लड़ाकू विमान

तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। एक न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना 7 फरवरी की है। जानकारी अब सामने आई है। विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर आईएएफ की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। पहला हादसा मार्च 2024 में हुआ था, जब जैसलमेर के पास एक तेजस जेट क्रैश हो गया था। दूसरा हादसा नवंबर 2025 में हुआ था जब दुबई एयरशो में एरियल डिस्प्ले के दौरान एक तेजस जेट क्रैश हो गया था।

रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश,11 ड्रोन मार गिराए,एयरपोर्ट बंद किए

मॉस्को। मॉस्को पर रविवार को ड्रोन हमले की कोशिश की गई। रूसी

एयर डिफेंस सिस्टम ने एक घंटे के भीतर 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इसके बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के चारों अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए। रूसी सिविल एविएशन एजेंसी ने बताया कि डोमोडेदोवो, व्नुकोवो, झुकोव्स्की और शेरेमेत्येवो एयरपोर्ट अस्थायी तौर पर बंद किए गए हैं। अगली सूचना तक उड़ानों की आवाजाही रोकी गई है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि एयर डिफेंस ने मॉस्को की ओर बढ़ रहे एक और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। इसके साथ ही गिराए गए ड्रोन की कुल संख्या 11 हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लगभग चार साल पूरे होने वाले हैं। रूस का आरोप है कि यूक्रेन उसके विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर राजधानी मॉस्को, पर ड्रोन हमले करता है। वहीं रूस भी यूक्रेन पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है।

चन्द्रशेखर आजाद पार्क में तीन दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी

प्रयागराज। 20, 21 और 22 फरवरी 2026 को मण्डलीय फल, सब्जी और पुष्प प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। अंतिम दिन पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि श्री संजय श्रीनेत्र, अध्यक्ष लोक सेवा आयोग ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। प्रतियोगिता में सुरेश कुमार यादव, प्रभारी मोती लाल उद्यान इकाई, राजकीय उद्यान, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज को सभी वर्गों में ओवरऑल चैम्पियन घोषित किया गया। उन्हें चुनौती कप और रु21,000 की धनराशि दी गई। द्वितीय स्थान पर श्री शिव कुमार मौर्या, प्रभारी बैण्ड स्टैण्ड उद्यान इकाई, राजकीय उद्यान, प्रयागराज रहे। उन्हें शील्ड और रु11,000 दिए गए। तृतीय स्थान पर

आकांक्षा पाल, प्रभारी सर्किट हाउस उद्यान इकाई, प्रयागराज रहीं। उन्हें शील्ड और रु5,100 की धनराशि दी गई। प्रदर्शनी में जज के रूप में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों और पूर्व उद्यान विशेषज्ञों को भी सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न फूल, सजावटी पौधे और उनसे बनी कलाकृतियाँ लोगों की रचनात्मकता और मेहनत का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल फूलों की नहीं, बल्कि धैर्य और परिश्रम की भी प्रदर्शनी है। उन्होंने आयोजन की सराहना की और सुझाव दिया कि आगे से प्रदर्शनी तीन दिन के बजाय पाँच दिन की की जाए। बच्चों के लिए उद्यान से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी कराई जाए। पार्क में विशेष प्रजाति के पौधे और ऊँचे स्थानों पर कैक्टस लगाए जाएँ। डॉ. वीरेन्द्र सिंह, मुख्य उद्यान विशेषज्ञ ने कहा कि दिए गए सुझावों को आगे की प्रदर्शनी में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा और पार्क को और सुंदर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहली बार इस प्रदर्शनी में भाग लिया और बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति से उन्हें खुशी हुई।बच्चों की रचनात्मकता बढ़ाने के लिए फोटोग्राफी और पेंटिंग प्रतियोगिता भी रखी गई। चित्रकला में 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग में कर्णिका (तेलियरगंज, प्रयागराज) और 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में हुमा अक्स (झूंसी, प्रयागराज) को प्रथम पुरस्कार मिला। फोटोग्राफी में ओवरऑल प्रथम पुरस्कार काजल उपाध्याय (कटरा, प्रयागराज) को मिला।

दिव्यांग बच्चों के लिए मेगा शिविर में 10 बच्चों को किट मिली वहीं 6 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। नवाबगंज स्थित रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज द्वारा आयोजित किया गया था।बेसिक शिक्षा विभाग और समेकित शिक्षा प्रयागराज के दो प्रदर्शनी स्टॉल इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे।समेकित शिक्षा स्टॉल पर दृष्टिबाधित बच्चों के लिए 'एनी ब्रेल डिवाइस' विशेष चर्चा का विषय बनी। इस उपकरण को ब्रेल लिपि में पठन-पाठन को सरल और प्रभावी बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने सराहना की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज के अध्यक्ष सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा

कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करना प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने को सामूहिक जिम्मेदारी बताया।शिविर के दौरान 10 दिव्यांग बच्चों को ब्रेल किट और लो-विजन किट वितरित की गईं। इसके अतिरिक्त, कौड़िहार के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत सम्मानित किया गया।बेसिक शिक्षा विभाग ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए छह अध्यापकों को सम्मानित किया। इनमें नगर क्षेत्र के महर्षि बाल्मीकि विद्यालय की शिक्षिका दीपा द्विवेदी, बहरिया ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय करनाईपुर के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र पटेल, सोरांव ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय पडरैया की शिक्षिका प्रियंका, फूलपुर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय खोजापुर की शिक्षिका सना गुफरान और प्रतापपुर ब्लॉक के संविलियन विद्यालय भेलखा के शिक्षक दिलीप कुमार शामिल थे। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि विभाग समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समेकित शिक्षा के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण, संसाधन और विशेष शैक्षिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रयागराज के पुलिस आयुक्त योगेंद्र कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, डॉ. अरुण कुमार तिवारी, राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी रविकांत द्वितीय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शशि कुमार, समेकित शिक्षा समन्वयक राजीव त्रिपाठी और बीईओ क्षमा शंकर पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उपेक्षाओं का शिकार छिवकी नैनी स्थित गदा माधव मंदिर पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के सौजन्य से आज

दिनांक- 22.02.2026 दिन रविवार को छिवकी नैनी स्थित - गदा माधव मंदिर पर कार्यक्रम अधिकारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव द्वारा भव्य स्वच्छता अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा मंदिर में चारो तरफ़ गंदगी का अंबार देखकर बड़ा दुख हुआ, कि क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के द्वारा मंदिर की स्वच्छता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। संस्था सचिव कुंवर जी तिवारी एवं मंदिर की देखरेख करने वाले भरत भूषण तिवारी ने कहा कि गधा माधव मंदिर पुराणों में वर्णित है एवं प्रत्येक वर्ष बारह माधव परिक्रमा के तहत इनकी संत महात्माओं एवं नागरिकों के द्वारा इनकी परिक्रमा की जाती है। लेकिन तब पर भी सरकार, शासन व प्रशासन के द्वारा इस मंदिर को उपेक्षित एवं अनदेखा किया गया है। जहां पर न नगर निगम के द्वारा स्वच्छता पर ध्यान दिया जाता है, ना ही क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के द्वारा मंदिर के जीर्णोद्वार हेतु संज्ञान लिया गया। क्षेत्रीय नागरिक रवि सिंह द्वारा कहा गया कि सनातन धर्म की पहचान प्राचीन मंदिरो पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे धार्मिक आस्थाओं पर कुठाराघात ना हो सके। कार्यक्रम में सर्वश्री कुंवर जी तिवारी, सुनील मिश्रा,धीरज यादव,महेश प्रसाद केसरवानी, एडवोकेट आत्म प्रकाश यादव, डॉ.एस.बी.यादव, विकास मिश्रा,मुकेश कुमार पांडेय ,शशिकांत पांडेय ,नीरज पांडेय,ज्ञान प्रकाश मिश्रा, इंदु ठाकुर, अभय पाल, धीरज रजवानी, अंशु तिवारी, कार्तिकेय तिवारी, तुलसी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा

प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा माननीय कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अनुमोदनोपरांत, माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ जनपद न्यायाधीश, रायबरेली श्री अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में राजकीय इण्टर कालेज, रायबरेली में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा विधिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश रायबरेली श्री अमित पाल सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय भूपेन्द्र राय, मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, नोडल अधिकारी लोक अदालत अमित कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्साधिकारी नवीन चन्द्रा व जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार द्वारा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ वितरित किये गये। लाभार्थियों को ट्रैक्टर, छिड़काव कृषि ड्रोन, ट्राई साइकिल, मछली विक्रय हेतु मोपेड, कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत स्वीकृति पत्र, आयुष्मान कार्ड, उज्जवला योजना अन्तर्गत स्वीकृति पत्र, पॉपकार्न मशीन, पॉली हाउस, उद्यम ऋण, डेमो चेक व विभिन्न योजनाओं के लाभों का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवासीय ग्रामीण योजना व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को डेमो चाभी, स्वरोजगार योजना के प्रमाणपत्र, कृषि विभाग द्वारा कृषि यन्त्रों व विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को डेमो चेक प्रदान किये गये। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह द्वारा बताया गया कि सेवा मानवता का मूल है। सरकार की विभिन्न योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाना इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। इसके अतिरिक्त जनपद न्यायाधीश द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यो पर भी प्रकाश डाला गया। अन्य गणमान्य व्यक्ति ने भी लाभार्थियों को बधाई व शुभकामनायें दी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमोद कंठ के द्वारा सभी लाभार्थियों व आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के सभी न्यायिक अधिकारी, ए0डी0एम0(वि0/राजस्व) रायबरेली, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, उप मुख्यचिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द, क्षेत्राधिकारी महराजगंज, विधि छात्र, पैनल अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल के अधिवक्ता पराविधिक स्वयं सेवकगण तथा भारी संख्या में लाभार्थी व लोग उपस्थित रहे।

बैडमिन्टन और सौ मीटर में प्रयागराज मंडल विजेता,कबड्डी और बॉलीबाल में उपविजेता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। लखनऊ में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में दिनांक 20 फरवरी से 22 फरवरी तक आयोजित राज्य स्तरीय कौशल विकास विभाग की प्रतियोगिता 2026 में प्रयागराज मंडल की टीम ने बालकों के संवर्ग में बैडमिंटन में बनारस मंडल को हराकर विजेता का किताब अपने नाम किया वहीं 100 मीटर की रेस में बालक वर्ग में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया इस प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कटरा प्रयागराज के छात्र साहिल राज ने बैडमिंटन के एकल मुकाबले में बनारस की प्रतिद्वंद्वी को हराकर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया वहीं 100 मी की रेस में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के छात्र ने अपना दमखम दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया यह भी है कि राजकीय औद्योगिक प्रतिष्ठान स्थान नैनी और प्रतापगढ़ के खिलाड़ियों ने क्रमशः कबड्डी और वॉलीबॉल में अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का पुरस्कार प्राप्त किया इन खेलों का आयोजन तीन दिवसीय दिनांक 20 फरवरी से 21 फरवरी तक प्रशिक्षण निदेशालय उत्तर प्रदेश के द्वारा आयोजित किया था जिसमें प्रयागराज मंडल से कबड्डी वॉलीबॉल बैडमिंटन और 100 मीटर दौड़ के प्रतिभागियों ने हिस्सा लेते हुए

किताब अपने नाम किया इन खिलाड़ियों का नेतृत्व राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी के कार्यशक श्री वीरेंद्र नाथ पाल और श्री महेंद्र प्रताप सिंह अनुदेशक की अगुवाई में हिस्सा लिया गया प्रतापगढ़ की वॉलीबॉल टीम का नेतृत्व श्री मंदिर सिंह अनुदेशक श्री मंजीत सिंह के द्वारा किया गया इस प्रशिक्षण साथियों की किस उपलब्धि से राजकीय औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं प्रयागराज में हर्ष का माहौल है और सभी प्रशिक्षार्थी इस उपलब्धि से बहुत खुश हुए हैं। कबड्डी के प्रशिक्षक श्री मनीष कुमार सिंह और दुर्गा प्रसाद यादव के निर्देशन में यह उपलब्धि प्राप्त हुई है।इस अवसर पर संयुक्त निदेशक प्रयागराज श्री राजकुमार और प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, हिमांशी द्विवेदी प्रधानाचार्य कटरा श्रीसंजीव कुमार आर्य , रामप्रीत राम मोहनीश कुमार श्री अमृतलाल गुप्ता सुंदरिका प्रसाद संजय कृष्ण भोलानाथ प्रेम शंकर यादव ने प्रशिक्षार्थियों को बधाई दी है।

डीह में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र चिकित्सा शिविर, 570 मरीजों का उपचार

सैनिक हॉस्पिटल रायबरेली की विशेषज्ञ टीम ने की जांच, दवाएं व चश्मे वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) डीह,रायबरेली। विकास खंड डीह

स्थित राजेंद्र बहादुर सिंह स्मारक इंटर कॉलेज परिसर में रविवार को समाजसेवी हलीम कुरैशी के संयोजन में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। को ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे जनसेवा की सार्थक पहल बताया। शिविर में सैनिक हॉस्पिटल रायबरेली की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने 570 मरीजों का परीक्षण कर निःशुल्क दवाएं एवं आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया। शिविर में संस्थापक दीपक सिंह, प्रो. मधु सिंह, डॉ. अरुण यादव, डॉ. रणविजय सिंह सहित आई मित्र राम अवध एवं काउंसलर जालिम सिंह ने विभिन्न रोगों की जांच की। नेत्र रोग से संबंधित मरीजों की विशेष स्क्रीनिंग कर जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए। आयोजक हलीम कुरैशी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना ही शिविर का उद्देश्य है। कार्यक्रम को सफल बनाने में रघुनाथ शरण सिंह, लालजी सिंह, प्रिंस सिंह, त्रिमोहन सिंह, परवेश कुरैशी, अशोक कुमार, रमेश कुमार समेत अनेक सहयोगियों की सक्रिय भूमिका रही।

सन्त गाडगे ने सामाजिक न्याय और स्वच्छता का संदेश दिया- कमलेश चौधरी

पूर्व संध्या पर दीप प्रज्जवलन एवं झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय

धोबी महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सन्त गाडगे सेवक कमलेश चौधरी ने जिलाधिकारी आवास के निकट गाडगे चौक में स्थापित राष्ट्र संत बाब गाडगे की प्रतिमा पर महराज के 150वें जन्मोत्सव को भव्य बनाने के उद्देश्य से पूर्व संध्या पर साफ-सफाई एवं दीप प्रज्जवलित करते हुए उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि बाबा की शिक्षाओं के अनुरूप कई समुदायों ने स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण जैसे सेवा कार्यो को प्राथमिकता दी। गाडगे बाबा एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन "स्वच्छता और शिक्षा" के प्रचार में समर्पित कर दिया, उनके संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणा श्रोत है। कर्मचारी नेता अनूप मिश्रा ने कहा कि बाबा हमेशा अपने साथ एक झाड़ू रखते थे, उनका मानना था कि जहाँ स्वच्छता है, वहीं ईश्वर का निवास होता है। वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र कुमार चौधरी ने कहा की गाडगे बाबा कीर्तनों के माध्यम से जातिवाद, छूआछूत और व्यर्थ के कर्मकांडों के विरूद्ध समाज को जागरूक किया। पूर्व संध्या पर आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्य रूप से भौमेश सोनी, गुड्डू चौधरी, कैलाश कनौजिया, सतीश चौधरी, अमर कनौजिया, रामनरेश चौधरी, रूपचन्द्र यादव, अशोक सिंह, श्रीराम निर्मल आदि लोग उपस्थित रहे।

बिना पिन डाले होंगे यूपीआई पेमेंट फोन-पे पर,फिंगरप्रिंट और फेस आईडी से कर सकेंगे रु5000 तक का भुगतान

नयी दिल्ली। डिजिटल पेमेंट दिग्गज फोन-पे ने अपने यूजर्स के लिए एक खास फीचर लॉन्च किया है। अब यूपीआई ट्रांजेक्शन करने के लिए बार-बार 4 या 6 अंकों का पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। यूजर्स अपने स्मार्टफोन के बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन यानी फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का इस्तेमाल करके सीधे भुगतान कर सकेंगे। फोन-पे ने बताया कि इस फीचर का मकसद पेमेंट को पहले से ज्यादा सुरक्षित और आसान बनाना है। फिलहाल यह सुविधा एंड्रॉयड यूजर्स के लिए शुरू की गई है, जिसे जल्द ही आईफोन यूजर्स के लिए भी रोलआउट किया जाएगा। फोन-पे के अनुसार अक्सर भीड़भाड़ वाली जगहों पर पेमेंट करते समय 'शोल्डर सर्फिंग' (पीछे से किसी का पिन देख लेना) का खतरा रहता था। बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से यह रिस्क पूरी

तरह खत्म हो जाएगा। इसके अलावा, कई बार यूजर्स अपना यूपीआई पिन भूल जाते हैं या गलत टाइप कर देते हैं, जिससे ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है। कंपनी ने इस 'वन-टच' पेमेंट मेथड के लिए एक लिमिट तय की है। यूजर्स बायोमेट्रिक के जरिए रु5,000 तक के ट्रांजेक्शन कर पाएंगे। सुरक्षा के मद्देनजर, अगर भुगतान की राशि रु5,000 से ज्यादा होती है, तो सिस्टम पहले की तरह ही यूपीआई पिन मांगेगा। स्टेप 1: सबसे पहले अपने फोन में फ़ोनपे ऐप ओपन करें। स्टेप 2: ऊपर बाईं ओर अपनी 'प्रोफाइल' फोटो पर क्लिक करें। स्टेप 3: नीचे की तरफ 'पेमेंट सेटिंग' में जाकर मैनेज पेमेंट्स पर टैप करें। स्टेप 4: यहाँ आपको 'बायोमेट्रिक पे' का आइकन दिखेगा, उस पर क्लिक करें। स्टेप 5: जिस बैंक अकाउंट के लिए यह सुविधा चाहिए, उसे सिलेक्ट करें और बायोमेट्रिक इनेबल करें। स्टेप 6: सेटअप पूरा करने के लिए एक बार अपना यूपीआई पिन डालें और बायोमेट्रिक का इस्तेमाल करके कन्फर्म करें।

लखनऊ में मांझे से बाइक सवार की गर्दन कटी,महिला ने पकड़कर संभाला

लखनऊ। चाइनीज मांझा रोकने के लिए सीएम योगी का आदेश और पुलिस की सख्ती धरी रह गई। रविवार शाम एक बार फिर दुर्घटना

हो गई। बाइक से जा रहे युवक की गर्दन में मांझा उलझ गया। गनीमत रही कि उसने तुरंत बाइक रोक दी जिससे उसकी गर्दन पूरी तरह कटने से बच गई। हालांकि, गर्दन से तेज खून निकलने लगा था। पास से गुजर रही महिला ने जैसे ही देखा उसने तुरंत युवक को संभाल लिया। एक अन्य राहगीर युवक ने अपना रूमाल बांधकर खून रोकने की कोशिश की। युवक अपनी गर्दन सीधी किए हुए किसी तरह बाइक से उतरा। उसके बाद चलते हुए ऑटो तक पहुंचा। उस पर बैठकर पास के अस्पताल पहुंचा जहां उसका उपचार चल रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना रविवार शाम करीब 5 बजे की है। बाइक सवार सुजीत आईटी चौराहे की ओर से गुजर रहा था। इसी दौरान हवा में तना पतंग का मांझा उसकी गर्दन में आकर उलझ गया। मांझा इतना धारदार था कि गर्दन पर गहरा कट लग गया और खून बहने लगा। अचानक हुई इस घटना से आसपास अफरा-तफरी मच गई। युवक बाइक रोककर सड़क किनारे खड़ा हो गया।घटना स्थल पर मौजूद एक महिला तुरंत आगे आई। उसने बिना देर किए अपनी हाथों से युवक की गर्दन दबाकर खून रोकने की कोशिश की। फिर रूमाल लगाकर घाव पर दबाव बनाया, जिससे खून का बहाव कम हुआ। लोगों ने भी मदद की और युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर तुरंत मदद नहीं मिलती तो मामला गंभीर हो सकता था।राजधानी में पहले भी पतंग के प्रतिबंधित मांझे से कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद खुलेआम ऐसे मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। त्योहारों या छुट्टियों के दिनों में यह खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

घटना के बाद इलाके में चर्चा है कि प्रतिबंध के बावजूद जानलेवा मांझा बाजार में कैसे पहुंच रहा है। लोगों ने पुलिस और प्रशासन से नियमित जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, युवक सुजीत की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। समय रहते मदद मिलने से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन यह घटना एक बार फिर चेतावनी दे रही है कि पतंग का खतरनाक मांझा शहर की सड़कों पर जानलेवा साबित हो सकता है।

बोर्ड परीक्षा देने जा रहे 5 छात्रों की मौत,18-घायल,रामपुर, प्रयागराज और लखीमपुर में 3 हादसे हुए

प्रयागराज। यूपी के तीन जिलों में हुए सड़क हादसों में बोर्ड परीक्षा देने जा रहे 5 परीक्षार्थियों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हैं। पहली घटना रामपुर की है। यहां दो बाइकों से जा रहे चार परीक्षार्थी

ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। हादसे में तीन की मौत हो गई, जबकि एक घायल है। दूसरी घटना लखीमपुर खीरी में हुई। मैजिक गाड़ी से 16 छात्र परीक्षा केंद्र जा रहे थे। मैजिक और ट्रक की टक्कर में एक परीक्षार्थी की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर समेत 15 छात्र घायल हो गए। तीसरी घटना प्रयागराज की है। संस्कृत बोर्ड की परीक्षा देने तीन छात्र एक बाइक से जा रहे थे। पीछे से आ रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो घायल हैं।तीनों हादसे सोमवार को हुए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं कक्षा की अंग्रेजी की परीक्षा थी, जबकि संस्कृत बोर्ड की पूर्व मध्यमा की परीक्षा थी।1-रामपुर में ट्रैक्टर की चपेट में आए परीक्षार्थी- रामपुर के रेनबो इंटर कॉलेज में विनीत (17), विनय शर्मा (16), मनु चौहान (17) और अरुण सैनी (18) हाईस्कूल में पढ़ाई करते थे। इनका परीक्षा केंद्र सनराइज इंटर कॉलेज टांडा बनाया गया था। सोमवार सुबह चारो स्टूडेंट दो बाइक्स से परीक्षा केंद्र जा रहे थे। सुबह साढ़े 7 बजे सरकथल गांव के पास एक टैक्टर ने दोनों बाइक्स को टक्कर मार दी। उनको रौंदते हुए ड्राइवर ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। गांव वाले चीख-पुकार सुनकर दौड़े पहुंचे। पुलिस बुलाई गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। तीन परीक्षार्थी विनय शर्मा, मनु चौहान और अरुण सैनी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि विनीत घायल है। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सभी फत्तावाला गांव के रहने वाले हैं। इंस्पेक्टर संदीप मिश्रा ने बताया कि तीन छात्रों की मौत हो गई और एक घायल को भी जिला अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से तहरीर ली जा रही है। 2-लखीमपुर में परीक्षार्थियों से भरी मैजिक गाड़ी की ट्रक से टक्कर-लखीमपुर खीरी में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने जा रहे छात्रों से भरी मैजिक को ट्रक ने सामाने से ठोकर मार दी। इसमें कोठिया के रहने वाले स्टूडेंट चंचल (17) पुत्र दीवान की मौके पर ही मौत हो गई।गाड़ी में ड्राइवर समेत 16 छात्र-छात्राएं सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र-छात्राएं मैजिक में फंस गए। आगे की सीट पर बैठे चंचल नाम के छात्र की मौत हो गई। दो छात्रों के पैर टूट गए, सिर फट गए। हाथ में गंभीर चोट आई है। मैजिक का आगे का हिस्सा पूरी तरह से डैमेज हो गया। गाड़ी की छत उड़ गई, स्टेयरिंग टूट गई। शीशा टूटकर छात्रों के चेहरे में धंस गया। हादसा सोमवार सुबह 7.10 बजे पढ़ुआ थाने में ढखेरवा-धौरहरा हाईवे पर हुआ।पुलिस के मुताबिक, उमा देवी पब्लिक स्कूल के 16 छात्र-छात्राएं मैजिक वाहन से मां गायत्री विद्या मंदिर में बोर्ड परीक्षा देने जा रहे थे। जीएस सिंह क्रेशर के पास मैजिक और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम करने वाले दौड़कर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।ऑटो चालक दुर्गेश ने बताया कि कोठिया-ढकेरवा की तरफ से बच्चों को लेकर एक मैजिक गाड़ी रमियाबेहड़ की ओर आ रही थी। धौरहरा की ओर से ट्रक जा रहा था। दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए। टक्कर के बाद ट्रक का पहिया टूटकर दूर जा गिरा और ड्राइवर स्टेयरिंग में फंस गया। पास-पड़ोस में मौजूद लोगों ने घायलों को खींचकर बाहर निकाला और तुरंत पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष विवेक उपाध्याय ने बताया कि सभी छात्र हाई-स्कूल का इंग्लिश का पेपर देने जा रहे थे। एक ही गाड़ी सभी छात्र रोजाना पेपर देने के लिए जाते हैं। ट्रक को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। मृतक चंचल का शव पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। 3-संस्कृत बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे छात्र की मौत, डंपर ने ठोकर मारी प्रयागराज के कोरांव थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। कोरांव लेडियारी मार्ग पर परीक्षा देने जा रहे तीन युवकों की बाइक को पीछे से आ रहे डंपर ने टक्कर मार दी।मृतक छात्र की पहचान कोरांव नगर पंचायत के चमनगंज मोहल्ले निवासी 16 वर्षीय शाहिद अली पुत्र स्वर्गीय छोटकउ के रूप में हुई है। वह अपने दो साथियों, 15 वर्षीय राज पुत्र कप्तान अली और 17 वर्षीय एजाज अहमद पुत्र सरफुद्दीन के साथ एक ही बाइक पर आनंद बोधाश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिवारीपुर में परीक्षा देने जा रहा था।

भाजपा नेता के बेटे और छात्र नेता में थी दोस्ती,गोरखपुर में घर पर तड़तड़ा दी गोलियां

गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र के अलीनगर उत्तरी में छात्रनेता उज्ज्वल यादव के घर शुक्रवार रात हुई फायरिंग के मामले में पुलिस अब घटना की तह तक पहुंचने में जुटी है। कोतवाली पुलिस मुख्य आरोपी आर्थक प्रताप सिंह और उसके साथियों को असलहा उपलब्ध कराने वाले स्रोत के बारे में पता कर रही है।साथ ही, जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी आर्थक और पीड़ित उज्ज्वल के बीच पहले गहरी दोस्ती थी। जो हाल के दिनों दुश्मनी में बदल गई। इसकी वजह युवती से बातचीत करने का विवाद है या कुछ और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। हाल ही में यूनिवर्सिटी गेट पर छात्र नेता उज्जवल यादव ने एक विवादित पोस्टर लगाया था। जिसे थोड़ी ही देर बाद नगर निगम प्रशासन ने हटवा दिया था। कई बार उज्जवल पोस्टर की वजह से भी हाइलाइट होता रहा है। वह गोरखपुर यूनिवर्सिटी का बीए थर्ड ईयर का छात्र भी है। यूनिवर्सिटी में कभी आर्थक और उज्जवल एक साथ देखे जाते थे। कई चुनावी जुलूस में दोनों साथ में शामिल हुए हैं।शुक्रवार रात करीब 11:20 बजे आर्थक प्रताप सिंह अपने साथियों महेश चौधरी, अनीश शुक्ला, सैफ अली और सक्षम शुक्ला के साथ आर्यनगर स्थित उज्ज्वल यादव के घर पहुंचा। आरोपियों ने घर के बाहर कई राउंड फायरिंग की और उज्ज्वल की मां संध्या यादव से मारपीट भी की।घटना के बाद मोहल्ले में दहशत फैल गई थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों को असलहा कहां से मिला और किसने उपलब्ध कराया। इसके लिए विशेष टीम गठित की गई है जो हर उस एंगल

से जांच कर रही है जहां से असलहा मिलने की संभावना हो सकती है। पुलिस जांच में सामने आया कि बेतियाहाता निवासी आर्थक प्रताप सिंह और सपा से जुड़े छात्रनेता उज्ज्वल यादव के बीच कभी गहरी दोस्ती थी। दोनों साथ में समय बिताते थे और सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों में भी साथ दिखते थे। लेकिन हाल के दिनों में इनके बीच किसी बात को लेकर मतभेद बढ़ गए। पुलिस की माने तो विवाद की वजह युवती हो सकती है।सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच युवती से बातचीत को लेकर कहासुनी हुई थी, जो धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि दोस्ती दुश्मनी में बदल गई। पुलिस इस एंगल से भी गहनता से जांच कर रही है और युवती से भी पूछताछ की संभावना है। छात्रनेता की मां संध्या देवी की तहरीर पर कोतवाली थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर आर्थक प्रताप सिंह, देवरिया के रहने वाले विपिन और सूर्यकुंड के अनीश शुक्ला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके अलावा दो अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फरार आरोपियों की तलाश में गोरखपुर के अलावा देवरिया और कुशीनगर जिले में दबिश दे रही है। गोरखपुर में फॉर्च्यूनर कार से पहुंचे बदमाशों ने सपा छात्र नेता के घर पर फायरिंग की। मां ने विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की। मुंह दबाकर उन्हें थप्पड़ जड़े। आरोपी बार-बार छात्र नेता के बारे में पूछ रहे थे। इसी बीच छात्रा नेता ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने 3 आरोपियों को दबोच लिया। वहीं, घर 100 मीटर दूर खड़ी फॉर्च्यूनर से अन्य 3 आरोपी भाग गए। उधर, गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपी पुलिस के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगने लगे। बोले- हम लोग अच्छे घर के हैं, आगे से गलती नहीं करेंगे। लेकिन, पुलिस ने जब रिकॉर्ड खंगाला, तो तीनों पर पहले से कई गंभीर मुकदमे दर्ज मिले। फायरिंग की वजह छात्र नेता और आरोपी आर्थक सिंह का आपसी झगड़ा बताया जा रहा है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

सचेंडी में तेज रफ्तार वाहन से कुचलकर प्राइवेटकर्मी की मौत,सड़क पार करने के दौरान हुआ हादसा

कानपूर। सचेंडी थाने के पास हाईवे पर ड्यूटी से लौट रहे प्राइवेटकर्मी को तेज

रफ्तार वाहन ने कुचल दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी पाकर बेटा मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक पुलिस ने शव को अज्ञात में दाखिल कर मोर्चुरी भेज दिया। मूलरूप से घाटमपुर के बरीपाल निवासी 45 वर्षीय करन सिंह सचेंडी में ओरियंट रिसार्ट में काम करते थे। इसके साथ ही वह पास में ही परिवार के साथ किराए पर रहते थे। उनके परिवार में पत्नी विनीता,बेटा सुमित और बेटी प्रांशी है। बेटे ने बताया कि पिता देर रात कुछ सामान लेने निकले थे तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर जब तक बेटा सुमित मौके पर पहुंचा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया। सचेंडी थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है। किस वाहन से हादसा हुआ इसके लिए सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे है।

पेपर से पहले इंटर का छात्र फंदे पर लटका:प्रयागराज में आखिरी बार दोस्त को किया फोन, कहा- मैथ से बहुत डर लग रहा है

प्रयागराज। सोमवार सुबह इंटरमीडिएट के छात्र समीर यादव (17) ने मैथ की परीक्षा से कुछ घंटे पहले घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से पहले उसने अपने एक दोस्त को फोन किया। कहा कि उसे बहुत डर लग रहा है और वह समझ नहीं पा रहा कि पेपर कैसे दे पाएगा। इसके बाद ही उसने यह कदम उठाया।चचेरे भाई सत्यम ने बताया, सोमवार दोपहर 2:30 बजे से समीर का मैथ का पेपर था। वह पिछले कुछ दिनों से मैथ विषय को लेकर काफी तनाव में था। रविवार रात भी वह देर तक पढ़ाई करता रहा।सोमवार सुबह करीब 7 बजे मां उसे जगाने के लिए पहुंचीं। कई बार आवाज देने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। शक होने पर परिजनों ने दरवाजा खोलने की कोशिश की। जब दरवाजा खोला गया तो अंदर का नजारा देखकर सभी सन्न रह गए।समीर कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटका हुआ था। परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही धूमनगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोस्त ने बताई पूरी बात चचेरे भाई सत्यम ने बताया कि घटना से पहले समीर ने अपने एक दोस्त को फोन किया था। उसने कहा था कि उसे मैथ समझ

में नहीं आ रहा है और परीक्षा को लेकर बहुत डर लग रहा है। दोस्त ने उसे समझाने की कोशिश भी की, लेकिन कुछ देर बाद ही उसने फोन काट दिया था। सत्यम ने बताया कि घटना के बाद जब समीर के फोन की कॉल हिस्ट्री चेक की गई तो उसमें अंतिम बार दोस्त का नंबर डायल मिला। जब दोस्त से बात की गई तो उसने यह जानकारी दी। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ समीर के पिता जय सिंह मुंडेरा मंडी में किराने की छोटी दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वह दो भाइयों में बड़ा था। छोटा भाई प्रिंस पांचवीं कक्षा में पढ़ता है। बेटे की असमय मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। 10वीं में स्कूल टॉपर था परिजनों ने बताया कि समीर पढ़ाई में बेहद गंभीर और अनुशासित था। 10वीं कक्षा में वह अपने स्कूल का टॉपर रहा था। अन्य सभी विषयों में उसकी पकड़ मजबूत थी, लेकिन गणित को लेकर वह अक्सर दबाव महसूस करता था। वह मुंडेरा स्थित मुन्नी देवी इंटर कॉलेज में इंटर का छात्र था और भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहता था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवार की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मोबाइल कॉल डिटेल समेत अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

डाक्टर महिपाल सिंह को फिजियोरत्न सम्मान से किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रविवार को गोरखपुर मर राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित Gorakhpur Physiocon 3.0 के मंच पर नोएडा सेक्टर 70 फस्ट रिहैब फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. महिपाल सिंह को प्रतिष्ठित फिजियो रतन सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, समर्पण, तथा वर्षों से किए जा रहे अथक प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित विशेषज्ञों, चिकित्सकों और विभिन्न पुनर्वास पेशेवरों ने जोरदार तालियों के साथ इस उपलब्धि का स्वागत किया।डॉ. महिपाल सिंह को यह सम्मान विशेष रूप से उनके क्लिनिकल उत्कृष्टता, मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण, तथा पुनर्वास सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए दिया गया। उन्होंने निरंतर ऐसे प्रयास किए हैं जिनसे न केवल मरीजों की कार्यक्षमता में सुधार हुआ, बल्कि उनके जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक परिवर्तन आया। फाउंडेशन के माध्यम से उन्होंने बहु-विषयक पुनर्वास सेवाओं को सुलभ बनाने, जागरूकता बढ़ाने, तथा सामुदायिक स्तर पर फिजियोथेरेपी के महत्व को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञों ने डॉ. सिंह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण आधुनिक पुनर्वास पद्धतियों और व्यावहारिक उपचार रणनीतियों का संतुलित समन्वय प्रस्तुत करता है। उनकी मेहनत, अनुशासन और पेशे के प्रति प्रतिबद्धता युवा फिजियोथेरेपिस्टों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह सम्मान फस्ट रिहैब फाउंडेशन के लिए भी गर्व का विषय बना, जहाँ टीम ने इस उपलब्धि को संस्थान की सामूहिक निष्ठा और सेवा-भावना का प्रतीक बताया। फिजियो रतन सम्मान प्राप्त कर डॉ. महिपाल सिंह ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि समर्पित प्रयास, संवेदनशील देखभाल और निरंतर सीखने की भावना से स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है।

जीएलबीआईएमआर की उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ ने व्यवसाय योजना प्रतियोगिता और उत्पाद लॉन्च समारोह का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, ग्रेटर नोएडा की उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ ने सफलतापूर्वक 'प्लान बनाये सुपर स्टार, योर स्ट्रैटेजी योर स्टारडम' नामक व्यवसाय योजना प्रतियोगिता और उत्पाद लॉन्च समारोह का

आयोजन पीजीडीएम ऑडिटोरियम में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यूजी और पीजी छात्रों में नवाचार, उद्यमशीलता की सोच और व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 10:00 बजे से 10:25 बजे तक चला, जिसमें डॉ. सपना रकेश, निदेशक ने विशिष्ट जजों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में, उन्होंने आज के प्रतिस्पर्धी और गतिशील व्यवसायिक वातावरण में उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। विशिष्ट जजों ने भी अपने प्रेरणादायक उद्यमशीलता के अनुभव साझा किए, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन के अनुभवों और अंतर्दृष्टियों से प्रेरणा मिली। प्रतियोगिता का मूल्यांकन श्री राजीव सिक्का, सीजीडी उद्योग में व्यापक अनुभव वाले अनुभवी; श्री अमित कुमार सिंह, सीनियर एचआर बिजनेस पार्टनर (पीपल सक्सेस, लीड); और श्री सुमित श्रीवास्तव, ट्रांसफॉर्म बिजनेस सॉल्यूशंस के संस्थापक, की विशेषज्ञ टीम ने किया। उनकी विशेषज्ञ मार्गदर्शन और रचनात्मक प्रतिक्रिया ने प्रस्तुतियों में महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ा और छात्रों को अपने व्यवसाय मॉडल को व्यावहारिक दृष्टिकोण से परिष्कृत करने के लिए प्रोत्साहित किया। जूरी के सामने अपने व्यवसायिक विचार प्रस्तुत करने के लिए केवल 28 शीर्ष टीमों का चयन किया गया था। प्रतिभागी संस्थानों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, एसआरसीसी, एनडीआईएम, आत्मा राम कॉलेज, डीयू, नेताजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एलबीएस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, शहीद भगत सिंह कॉलेज, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च और कई अन्य शामिल थे। प्रस्तुतियों को दो तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया, 10:30 बजे से 12:45 बजे तक और 2:00 बजे से 4:00 बजे तक, प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी के बाद। टीमों ने दिए गए विषयों पर नवाचारी और व्यवहार्य विचार प्रस्तुत किए, जिसमें रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच और उद्यमशीलता दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण जीएलबीआईएमआर के पीजीडीएम (2025-27 बैच) के तीन नवोदित उद्यमियों - आदित्य सोनी, प्रतीक सिंह, पियुष संगम और राज किरण द्वारा उत्पाद और सेवा लॉन्च समारोह था। उनकी पहल ने कक्षा के शिक्षण को वास्तविक दुनिया के उद्यमों में बदलने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाया। उत्कृष्ट उद्यमशीलता प्रयासों की सराहना में वर्ष के नवोदित उद्यमियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। व्यवसाय योजना प्रतियोगिता के विजेता लबीएस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली के सुरेश कुमार बोराना, शहीद भगत सिंह कॉलेज के साक्षम विनोद कुचेरिया, न्यू दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के तुषार शिशोदिया थे, जिन्हें 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही, लाइव प्रोजेक्ट के छात्र समन्वयक पवन यादव और भूमी को उनके समर्पित प्रयासों के लिए विशेष मान्यता दी गई। कार्यक्रम में डॉ. आनंद राय, चेयरपर्सन - पीजीडीएम, डॉ. अरविंद भट्ट, डॉ. यागबाला कपिल और डॉ. निधि श्रीवास्तव, डॉ. प्राची और डॉ. भावना की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का संचालन अंशिका, कुमार संस्कार और खुशी जैन ने कुशलता से किया, जिन्होंने पूरे दिन के आयोजन को सुचारू रूप से सुनिश्चित किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. मनीषा सिंह और डॉ. पुनीत मोहन, कार्यक्रम समन्वयकों द्वारा जजों, गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और विशेष रूप से पीजीडीएम प्रथम वर्ष के पवन यादव के नेतृत्व में स्वयंसेवी टीम को उनके अथक समर्थन और समन्वयन के लिए आभार व्यक्त करते हुए किया गया। यह आयोजन ईडी सेल, जीएलबीआईएमआर की नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण था, जो छात्रों को उनके विचारों को प्रभावशाली उद्यमशीलता उद्यमों में बदलने के लिए सशक्त बनाता है।

नमामि गंगे के मार्गदर्शन में वाई एस एस का 'स्वच्छ यमुना मिशन'

युवा शक्ति घाट पर सैकड़ों स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों की प्रभावशाली सहभागिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। वाई एस एस द्वारा संचालित 'स्वच्छ यमुना मिशन' के अंतर्गत

नमामि गंगे, भारत सरकार के मार्गदर्शन में युवा शक्ति घाट पर व्यापक स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान में सैकड़ों स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य यमुना नदी को स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल बनाए रखने के साथ-साथ नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर फ्रेंड्स ऑफ यमुना से अशोक उपाध्याय, यमुना समन्वयक दिनेश कुमार, दुर्गा प्रसाद दुबे, कीर्ति एवं प्रकाश कुलबे की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने संयुक्त रूप से यमुना संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने तथा 'विशेष इंडियन आर्मी यमुना टास्क फोर्स' से जुड़कर राष्ट्र सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। अभियान के दौरान घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई। प्लास्टिक एवं अन्य ठोस अपशिष्ट पदार्थों का संग्रहण कर उनका वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। उपस्थित नागरिकों को 'जल है तो कल है' का संदेश देते हुए सामूहिक संकल्प दिलाया गया कि यमुना को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने में सभी अपनी जिम्मेदारी निभाएँगे।

YSS Foundation द्वारा अब तक 200 से अधिक स्वच्छता अभियान आयोजित किए जा चुके हैं, जिनसे हजारों नागरिक प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर इस मुहिम को निरंतर सशक्त बना रहे हैं। संस्था ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे यमुना एवं अन्य जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाएँ और स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण में सहयोग करें।

नोएडा विधानसभा क्षेत्र की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा क्षेत्र 61 की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई जिसमें समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा क्षेत्र की कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण शामिल हुए विधानसभा क्षेत्र बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर बबलू चौहान ने की श्री चौहान ने कहा। कि अभी से नोएडा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता आगामी 2027 चुनाव की तैयारी में लग जाए क्यूंकि नोएडा विधानसभा में 59बूथों की वृद्धि निर्वाचन आयोग ने कर दी है अब 811 बूथ हो गए हैं जिन बूथों पर अभी बूथ लेवल एजेंट नहीं नियुक्त हुए हैं उन पर आप सभी के सहयोग से नियुक्त किए जाएंगे और अभी SIR की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण पर हैं आप सभी BLA अपने अपने बूथों पर सक्रियता बनाये रखे,सरकारी BLO के साथ फॉर्म-6 भरवाने के लिए नए मतदाताओं का सहयोग करें,वरिष्ठ नेता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है नोएडा के शहरीकरण एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के अभाव में जनजीवन अस्त व्यस्त है जन समस्याओं की शिकायत थाने चौकी नोएडा प्राधिकरण एवं तहसीलों में आम जनमानस की कोई सुनने वाला नहीं है इन्हीं सब चीजों को लेकर नोएडा क्षेत्र की जनता व उत्तर प्रदेश की जनता त्रस्त है और आने वाले समय में सरकार बदलने का काम करेगी 2027 के चुनाव में श्री अखिलेश यादव जी प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे और तभी उत्तर प्रदेश में PDA के लोगों व जनमानस की सुनवाई होगी महानगर महासचिव विकास यादव ने कहा कि PDA एक जुट हो चुका है और आने वाले समय में समाजवादी। सरकार होगी तभी उत्तर प्रदेश में PDA के लोगों भागीदारी सुनिश्चित होगी नोएडा विधानसभा की मीटिंग में नोएडा क्षेत्र के विकास की दुर्दशा को लेकर काफी चिंता व्यक्त की गई और नोएडा प्राधिकरण जो की नोएडा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर पिछले 9 वर्षों से कोई भी सुनवाई नहीं कर रहा है उसको लेकर गंभीर चिंतन एवं रणनीति बनाई गई महानगर उपाध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नोएडा क्षेत्र के शहरीकरण एवं ग्रामीणओ की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं केवल धार्मिक उन्माद फैलाकर सत्ता में बने रहना चाहती है लेकिन PDA के लोग अब इनके बहकावे आने वाले नहीं हैं नोएडा विधानसभा कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विकास दुबे, अमित कुमार को सचिव व विवेकानन्द।सिंह को सदस्य मनोनीत किया गया, बैठक का संचालन विधानसभा उपाध्यक्ष रणजीत पटेल ने किया बैठक में मुख्यरूप से विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर बबलू चौहान वरिष्ठ नेता राघवेंद्र दुबे,विकास यादव, मनोज गोयल,रंजीत पटेल , बिंदर यादव पहलवान,रोहित यादव, राणा मुखर्जी , शादाब खान, संतोष चौटाला ,चैनकीगौतम, सुनील कुमार, सतवीर यादव, मुकेश पटेल, विनोद गौतम, अमित कुमार, विकास दुबे, रंजन कुमार, संतोष यादव, संतोष सिंह, मनोज गौतम, शीशपाल यादव, विवेकानन्द सिंह, शिव प्रताप मौर्य,दिलीप राय, आकाश कुमार ,आलोक वर्मा, गोपाल सिंह, रोशन,सहित आदि कार्यकर्ता शामिल हुए।

बरसाना की महिलाएं लाठियों में लगा रहीं तेल,मथुरा में लट्ठमार होली की तैयारी जोरो से

मथुरा। मशहूर नंदगांव और बरसाना लट्ठमार होली के लिए तैयार है। नंदगांव यानी जहां श्रीकृष्ण

ने अपना बचपन बिताया। प्रभु के सखा स्वरूप में ग्वाले 8 किमी दूर बरसाना पहुंचेंगे। बरसाना यानी जहां राधाजी रहती थीं। यहां राधा रानी की सखियों के स्वरूप में हुरियारने उन पर लाठियां बरसाएंगी। 25 फरवरी की दोपहर 12 बजे नंदगांव के हुरियारे बरसाना के पीली पोखर पहुंचेंगे। यहां पगड़ी बांधेंगे, श्रृंगार के बाद वह लाडलीजी के दर्शन करेंगे। इसके बाद करीब 3किमी के दायरे में फैली कुंज गलियों से वह गुजरेंगे। जब हुरियारने ग्वालों पर लाठियां बरसा रही होंगी, तब उन्हें देखने के लिए करीब 15 लाख टूरिस्ट बरसाना में मौजूद रहेंगे। ब्रज दूल्हा मंदिर यहां पर हुरियारन तैयारियां कर रही हैं। यहीं पर पहली बार श्रीकृष्ण दूल्हा बनकर पहुंचे थे। इस मंदिर के कैंपस में हुरियारन लाठियों पर तेल लगाती हुईं दिख जाती हैं। इन सबो ने लहंगा और फरिया पहनने की परम्परा हैं। हाथ में एक-एक लाठी थी, महिलाएं होली के गाने गा रही थीं। माहौल में होली के रंग का अहसास हैं। बरसाना से करीब 1200 हुरियाने तैयार हो रही हैं। नए परिधान बनवाए जा रहे हैं। पूछने पर की क्या क्या कोई भी लड़की हुरियारन बन सकती है? विमला ने कहा- नहीं। सिर्फ वही लड़की हुरियारन बनती है, जो बरसाना की बहू हो। कुंवारी लड़कियां इसमें शामिल नहीं होती। वो सिर्फ देखती हैं। ऐसा लगता है कि सभी श्रीकृष्ण की सखियां हैं। ग्वाल चिढ़ाएंगे तो उन्हें सबक सिखाने का मौका मिलेगा। सबका यही भाव रहता है। लट्?ठमार होली में हुरियारों के लिए सबसे जरूरी है, उनकी ढाल। लाठियों के प्रहार से यही बचाती है, एक और खासियत यह है कि नंदगांव के हुरियारें ढाल तैयार करवाने के लिए बरसाना आते हैं। ढाल करीब 8किग्रा की होती है।

अमरोहा में ट्रक-बस की टक्कर:एक यात्री की मौत, चार गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर

अमरोहा। गजरौला थाना क्षेत्र में देर रात एक ट्रक ने बस ट्रक ने आगे चल रही बस को पीछे से टक्कर मारी, जिससे बस देखते हुए उन्हें हायर सेंटर भेजा गया। पुलिस ने मृतक शिवम वर्मा

में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बस में सवार एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य यात्री घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। यह दुर्घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात नेशनल हाईवे 9 पर बृजघाट चौकी के पास हुई। तेज रफ्तार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी जिले के ऐरा खमरिया गांव निवासी 27 वर्षीय शिवम वर्मा के रूप में हुई है। वह बस में पीछे की तरफ बैठे थे। हादसे में घायल हुए चार अन्य यात्रियों को पुलिस ने तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनकी गंभीर हालत को के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीएम हाउस पर मौजूद परिजनों ने बताया कि शिवम उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित रिलेक्सो कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

गोंडा में हाईकोर्ट वकील की हत्या,नौ बीघे जमीन पर कब्जे की लड़ाई,3 आरोपी गिरफ्तार

गोंडा। गोंडा में जमीन विवाद में हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील की पीटकर हुई हत्या का वीडियो सामने सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि ट्रैक्टर से विवादित खेत की जुताई की जा रही है। ट्रैक्टर पर दो लोग मिश्रा भी हाईकोर्ट में अधिवक्ता है, जबकि छोटा बेटा अनुराग मिश्रा खेती-बाड़ी संभालता है। अधिवक्ता सुभाष

आया है। वीडियो में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड है। पुलिस इस फुटेज को अपनी जांच का अहम हिस्सा मान रही है। उधर, गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस मारपीट में वकील के बेटे और 2 भतीजे भी घायल हैं। गोंडा मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, 9 बीघा जमीन को लेकर कोर्ट में केस चल रहा था। अपने पक्ष में फैसला आने के बाद वकील रविवार को खेत की जुताई करने पहुंचे थे। तभी विरोधी पक्ष के 15-20 लोगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियार लेकर पहुंचे और हमला कर दिया। वकील की हत्या के बाद बैठ हैं। 10 से 12 लोग लाठी-डंडे और हॉकी लेकर खड़े हैं। वीडियो में आवाज आ रही है कि देखिए हमने इस जमीन का बैनामा कराया है, उसे दबंगई से जोता जा रहा है। वीडियो में वकील सुभाष चंद्र भी दिख रहे हैं। इसी दौरान हॉकी लेकर एक आदमी उनके पास पहुंचता है। फिर दोनों दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो जाती है। कुछ देर बाद आवाज आती है, पुलिस आ गई भागो। फिर वीडियो में अंधेरा छा जाता है और आवाज आती है कि ट्रैक्टर चढ़ा दिया।सुदाई पुरवा गांव के 67 वर्षीय सुभाष चंद्र मिश्रा लखनऊ हाईकोर्ट में प्रशासनिक अधिवक्ता रहे हैं। वह अवध बार एसोसिएशन के मंत्री भी रह चुके हैं। उनके दो बेटे हैं-बड़ा बेटा अभिषेक चंद्र मिश्रा के पिता पारस मिश्रा की 30 साल पहले मौत हो चुकी है। उनके चार बेटे थे-सुभाष चंद्र मिश्रा (हाईकोर्ट अधिवक्ता), दिनेश मिश्रा (मृत), अरुण मिश्रा (वर्तमान में किसान इंटर कॉलेज भंभुआ में क्लर्क के पद पर तैनात) और सबसे छोटे बेटे अभय मिश्रा। पारस मिश्रा के छोटे भाई जगदंबा मिश्रा की केवल दो बेटियां थीं। उन्होंने कोरोना काल में अपनी मौत से 1-2 साल पहले अपने 9 बीघा जमीन की वसीयत अपने भतीजे सुभाष मिश्रा, दिनेश मिश्रा और अभय मिश्रा के नाम कर दी थी। वसीयत करते समय जगदंबा मिश्रा ने अपने भतीजे अरुण मिश्रा के नाम जमीन नहीं की थी, क्योंकि पिता पारस मिश्रा की मौत के बाद उन्हें अनुकंपा नियुक्ति मिल चुकी थी।

नैनी सेंट्रल जेल के कैदी की मौत

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 65 वर्षीय कैदी की रविवार को इलाज के दौरान स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में मौत हो गई। जेल प्रशासन ने 20 फरवरी को बीमार बंदी को इलाज के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया था। कैदी की मौत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और मृतक के परिजनों को सूचना कर दी गई। मृतक कैदी की पहचान फतेहपुर के खागा, ताई निवासी 64 वर्षीय एजाज पुत्र पीर मोहम्मद के रूप में हुई है।सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक विजय विक्रम सिंह ने बताया कि कैदी एजाज पुत्र पीर मोहम्मद 3 साल पहले 8 सितंबर 2024 को फतेहपुर से नैनी सेंट्रल जेल लाया गया था। जिसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। एजाज को अवस्था संबंधी गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसी कारण उसे 20 फरवरी को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार को उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गलगोटिया के 'कुत्ते' की चर्चा यूपी विधानसभा तक

लखनऊ। दिल्ली में एआई इंपैक्ट समिट 2026 के दौरान चीन के रोबोटिक डॉग को अपना बताने पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवादों में है। यूनिवर्सिटी ने ऐसा कर न सिर्फ अपनी, बल्कि देश की भी खूब किरकिरी कराई। गलगोटिया जैसी बड़ी यूनिवर्सिटी का पूरा स्टॉल बंद कर दिया गया। वहां की लाइट तक काट दी गई। बाद में यूनिवर्सिटी को माफी भी मांगनी पड़ी। यह मामला यूपी विधानसभा में भी उठा। पहले इसे जसराना से विधायक इंजीनियर सचिन यादव ने उठाया। फिर बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने भी इसका जिक्र किया। दिल्ली के भारत मंडपम में एआई समिट चल रहा था। देश-दुनिया की टेक कंपनियां, स्टार्टअप्स और संस्थान अपने एआई से जुडे अविष्कार दिखा रहे थे। इसी दौरान गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पवेलियन में रखा एक रोबोटिक डॉग लोगों के आकर्षक का केंद्र बन गया। वीडियो बनने शुरू हुए और तेजी से सोशल मीडिया पर क्लिप्स वायरल होने लगीं। धीरे-धीरे यह दावा फैलने लगा कि यूनिवर्सिटी ने इस रोबोट को बनाया है। इसे ओरियन नाम से पेश कर दिया। इंटरनेट पर कुछ पोस्ट में इसकी कीमत 350 करोड़ तक बता दी गई। जबकि, हकीकत बिल्कुल अलग थी। चाइना के एक आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस रोबोटिक डॉग को अपना बताने पर यूनिवर्सिटी की खिल्ली उड़ाई गई।

सोनभद्र में नए स्कूल का शुभारंभ,भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष ने किया उद्घाटन, नर्सरी से कक्षा एक तक प्रवेश शुरू

सोनभद्र। विंढमगंज में ग्लोविंग प्ले स्कूल का शुभारंभ

किया गया। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश केसरी ने दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। यह स्कूल स्थानीय थाना क्षेत्र के पुरानी सब्जी मंडी रोड पर स्थित है। यहां नर्सरी से कक्षा एक तक के बच्चों के लिए सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश केसरी ने कहा कि क्षेत्र में ऐसे स्कूल खुलने से बच्चों की शिक्षा का स्तर सुधरेगा। उन्होंने शिक्षा को जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इसे स्थानीय लोगों के लिए एक सुविधा बताया। विद्यालय के प्रधानाचार्य हृदय प्रसाद यादव ने स्कूल की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रमाणित और अनुभवी शिक्षक, संवादात्मक वातावरण और यातायात के साधन उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, असहाय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा की भी व्यवस्था की जाएगी। शुभारंभ समारोह के दौरान प्रधानाचार्य द्वारा आए हुए अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। राकेश केसरी ने मां सरस्वती के चित्र पर धूप, दीप और पुष्प अर्पित कर स्कूल का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर विद्यालय के डायरेक्टर अजय कुमार यादव, प्रिंसिपल हृदय यादव, नेहा यादव, तृप्ति सहित अन्य अध्यापकगण मौजूद रहे। क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों में अजय केसरी, बबलू गुप्ता, विकास गुप्ता, मंटू गुप्ता, संजीत, झगड़ू यादव, सत्येंद्र यादव और सोनी जी सहित कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।

मजुरही में बाइक से गिरकर महिला घायलःपति के साथ जा रही थी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

सोनभद्र। मजुरही गांव में

रविवार शाम एक सड़क दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गई, जिसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) घोरावल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मजुरही निवासी 35 वर्षीय पुष्पा देवी अपने पति राम विलास के साथ रविवार शाम करीब 5 बजे बाइक से रिश्तेदारी जा रही थीं। मजुरही गांव के मोड़ पर उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और पुष्पा देवी नीचे गिर गईं। दुर्घटना में महिला को कमर और सीने में अंदरूनी चोटें आई हैं। उनके पति राम विलास ने तुरंत एम्बुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। इलाज कर रहे डॉक्टर सुनील कुमार ने बताया कि घायल महिला को अंदरूनी चोटें आई हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिला की स्थिति खतरे से बाहर है और उनका उचित उपचार किया जा रहा है।

केंद्रीय बजट पर महिला संवाद योजनाओं पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी महिलाओं की आर्थिक मजबूती, स्वरोजगार के अवसर और महिलाओं, युवाओं और किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

महिला मोर्चा के तत्वावधान में केंद्रीय बजट 2026 को लेकर 'महिला संवाद' कार्यक्रम का आयोजन उड़ान प्रेरणा महिला संकुल समिति, क्लस्टर बिल्ली मारकुंडी स्थित कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को बजट में किए गए प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष रंजना सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तो परिवार और समाज दोनों सशक्त होंगे। जिला कार्यक्रम संयोजिका लीला गौड़ ने संचालन करते हुए बताया कि बजट में स्वयं सहायता समूहों, लघु उद्योगों और ग्रामीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सीधा लाभ मिलेगा। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि बजट में की गई हैं। इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना संगठन की जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अन्य महिलाओं को भी जागरूक करें। इस अवसर पर पूनम सिंह, मीनू चौबे, उषा शर्मा, कंचन, सुनीता पांडे, हेमलता जायसवाल, पुष्पा दुबे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

श्रीकृष्ण की परम भक्त मीराबाई की भक्ति चरित्र लीला का हुआ मंचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर स्थित रामलीला मैदान चल रहे रासलीला के सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की परम भक्त साथ बारात देख रही थीं। इस दौरान मीरा ने अपनी माता से पूछा कि मेरा दूल्हा कौन है। इस पर मीराबाई की माता ने श्रीकृष्ण की मूर्ति की रहीं। मीराबाई ने भक्ति को एक नया आयाम दिया है, एक ऐसा स्थान जहां भगवान ही इंसान का सब कुछ होता है। दुनिया के सभी

मीराबाई की भक्ति चरित्र लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर स्वामी दाऊदयाल की मण्डली द्वारा प्रस्तुत ब्याह गीत लगन मोहे लागी तेरे नाम की, राधिका गोरी से बृज की छोरी से मैय्या कराय दे मेरो भजन पर श्रद्धालुगण जमकर थिरके। वृंदावन के मंझे हुए कलाकारों द्वारा लीला मंचन में दिखाया गया कि राजपरिवार में जन्मी मीराबाई के बाल मन में कृष्ण की ऐसी छवि बसी थी कि यौवन काल से लेकर मृत्यु तक मीरा ने कृष्ण को ही अपना सब कुछ माना। मीरा बाई के बचपन में एक दिन उनके पड़ोस में किसी बड़े आदमी के यहां बारात आई थी। सभी स्त्रियां छत पर खड़ी होकर बारात देख रही थीं। मीरा बाई भी उनके तरफ इशारा कर कह दिया कि वही तुम्हारे दूल्हा हैं। यह बात मीराबाई के बाल मन में एक गांठ की तरह बंध गई। मीराबाई का विवाह मेवाड़ के राज परिवार में राणा सांगा के पुत्र भोजराज से कर दिया गया। इस शादी के लिए पहले तो मीराबाई ने मना कर दिया। पर जोर देने पर वह फूट फूटकर रोने लगी और विदाई के समय कृष्ण की वही मूर्ति अपने साथ ले गई, जिसे उसकी माता ने उनका दूल्हा बताया था। मीराबाई के विवाह के दस बरस बाद उनके पति का देहांत हो गया। मीराबाई के कृष्ण प्रेम को देखते हुए लोक लाज की वजह से मीराबाई के ससुराल वालों ने उन्हें मारने के लिए कई चालें चाली पर सब विफल लोभ उसे मोह से विचलित नहीं कर सकते। एक अच्छा खासा राजपाट होने के बाद भी मीराबाई वैरागी बनी रहीं। कालांतर में मीराबाई द्वारिका में भगवान द्वारिकाधीश रणछोड़ जी के विग्रह में विलीन होकर भगवान श्रीकृष्ण के परम धाम चली गई। वहीं सातवें दिन की रासलीला का समापन बांके बिहारी जी के दिव्य आरती और भक्तों में प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर जितेन्द्र सिंह, रामप्रसाद यादव, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, संजू केशरी, आशीष केसरी, मखनचू, लल्लू मोदनवाल, अशोक श्रीवास्तव, डॉ गोविंद यादव,सुनील सिंह, उमेश यादव, सौरभ यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल जिला वीरभूमि विधानसभा के दुबराजपुर के बनाए गए प्रवासी- अजीत रावत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर जिला वीरभूमि

विधानसभा 284 दुबराजपुर के सीट पर भाजपा नेतृत्व ने अजीत रावत जिला प्रवासी नियुक्त किया। वही श्री रावत वर्तमान में सदर ब्लाक प्रमुख एवं भाजपा अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं। पूर्व में भाजपा के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बैकुंठपुर एव रामनगर पश्चिमि सुरक्षित सीट पर भाजपा नेतृत्व ने अजीत रावत को प्रवासी नियुक्त किया गया था जिसपर भारी बहुमत के साथ दोनों सीट पर हुई जीत का कार्यकताओं के साथ मनाया जश्न है। अजीत रावत के संगठनात्मक कार्यों और समाजसेवा को देखते हुए पार्टी ने उन्हें बिहार चुनाव के पहले चरण व दूसरे चरण में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी जिसके जीत पर जनपद सोनभद्र सहित काशी क्षेत्र के अनुसूचित समाज के लोगों में हर्ष का माहौल बना वही गरीब परिवार से आने वाले अजीत रावत ने अपने परिश्रम और सेवा भाव से पार्टी संगठन में विशेष पहचान बनाई है। कोविड लॉकडाउन के दौरान उन्होंने जिला संयोजक के रूप में जरूरतमंदों तक राशन और दवाइयाँ पहुँचाने में अग्रणी भूमिका निभाई। संगठन के हर कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई है। पार्टी नेतृत्व के निर्देशों का वे सदैव समर्पण भाव से पालन करते हैं। भाजपा ने उनके समर्पण और कार्यकुशलता को देखते हुए फिर उनको पश्चिम बंगाल जिला वीरभूमि विधानसभा 284 दुबराजपुर के जिला प्रवासी बनाया गया जहां अजीत रावत ने बताया कि संगठन के दिए हुए दायित्वों का निर्वहन करते हुए यहां भी अपने संगठन को मजबूत करने का काम किया जाएगा।

मेहनतकश को मिले देश के संसाधनों में अधिकार-दिनकर कपूर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा/सोनभद्र। आर्टिफिशियल इंटेलेंस (एआई) से देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ेगी और इस समय कार्यरत बहुत सारे लोग नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे। ऐसी स्थिति में लोगों की आजीविका की सुरक्षा के काम नहीं देगें और ट्रेड यूनियनों के कारण उद्योग बंद हुए हैं, पर बात रखते हुए दिनकर कपूर ने कहा कि दरअसल पूंजीपतियों के उत्पादन को जारी रखने के लिए श्रम शक्ति की नितांत आवश्यकता है। न्यूनतम मजदूरी इस श्रम शक्ति की एनफोर्समेंट की शक्ति को खत्म कर फैसिलिटेटर बना दिया गया है, जिससे आने वाले समय पर मजदूरों को न्यूनतम राहत मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रदेश में 10 सालों से न्यूनतम मजदूरी का वेज

लिए देश के संसाधनों में मेहनतकशों के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा। यह बातें आज ओबरा में आयोजित ठेका मजदूर यूनियन के 23 वें जिला सम्मेलन में मुख्य वक्ता पूर्व श्रमबंधु दिनकर कपूर ने कही। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर चुनिंदा पूंजी घरानों का कब्जा हो गया है। देश में असमानता आजादी से पूर्व से भी ज्यादा बढ़ गई है। देश की आय भी कुछ लोगों के हाथ में संकेन्द्रित होती जा रही है। जो संविधान के अनुच्छेद 39 का पूर्णतया उल्लंघन है। आज कॉर्पोरेट-हिंदुत्व-राज्य का संश्रय मजदूर, किसान, आम जनता के हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला कर रहा है। ऐसी स्थिति में सिर्फ मांग और पूर्ति आधारित ट्रेड यूनियन आंदोलन नहीं बल्कि मेहनतकशों का एक राजनीतिक आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। उम्मीद है कि यह सम्मेलन इस दिशा में आगे बढ़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के हाल में आए निर्णय जिसमें कहा गया कि न्यूनतम मजदूरी दी जाएगी तो मलिक के जिंदा रहने की अनिवार्य शर्त है। यदि यह भी लोगों को नहीं मिला तो आने वाले समय में उत्पादन भी बुरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि ट्रेड यूनियनों ने नहीं बल्कि सरकारों ने पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए सरकारी उद्योगों को बंद किया या बेचा है। प्रदेश में बिजली क्षेत्र का निजीकरण इसका ताजा तरीन उदाहरण है। इसके खिलाफ लड़ने वाले बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों का बर्बर दमन इस सरकार में किया गया है। सम्मेलन में मंत्री तेजधारी गुप्ता ने रिपोर्ट रखी। इसमें कहा गया कि लेबर कोड आधुनिक गुलामी के दस्तावेज हैं। इन कोडो में 200 साल के संघर्षों से हासिल काम के घंटे 8 को बढ़ाकर 12 कर दिया गया है। फिक्स टर्म इम्पलाइमेंट लाकर जो थोड़ी बहुत सामाजिक सुरक्षा मजदूरों को थी वह भी छीन ली गई। फ्लोर लेवल वेज न्यूनतम मजदूरी से भी कम दर पर तय की गई है। ट्रेड यूनियन बनाने और प्रतिवाद दर्ज करने का लोकतांत्रिक अधिकार खत्म कर दिया गया है। सर्वोपरि श्रम विभाग रिवीजन नहीं हुआ है। हालत इतनी बुरी है कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद जनपद के तमाम खतरनाक श्रेणी के उद्योगों में अभी भी मजदूरों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जा रहे हैं। पूरी जिंदगी उद्योग में देने वाले 60 साल की उम्र में रिटायर हो रहे मजदूरों को ग्रेच्युटी तक की सुविधा नहीं दी जाती है। इस पर पूरे जिले में जन संवाद अभियान चलाने और मजदूरों को जागरूक करने का निर्णय भी सम्मेलन में लिया गया।सम्मेलन में वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मत से तीरथराज यादव को जिला अध्यक्ष और तेजधारी गुप्ता को जिला मंत्री चुना गया। इसके अलावा मंगरु प्रसाद श्याम को उपाध्यक्ष, मोहन प्रसाद को संयुक्त मंत्री, शेख इम्तियाज को प्रचार मंत्री, अंतलाल खरवार को कार्यालय मंत्री और इंद्रदेव खरवार को कोषाध्यक्ष चुना गया और 15 सदस्यी कार्यकारिणी का भी चुनाव हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष कृपाशंकर पनिका ने की।

नौडीहा में 17वीं अंतर ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता,वॉलीबॉल सहित कई खेल हुए,25 टीमों ने लिया भाग

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के नौडिहा में माई युवा भारत

के तत्वावधान में रविवार, 22 फरवरी 2024 को 17वीं अंतर

ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। म्योरपुर ब्लॉक के सेवेन स्टार क्लब नौडीहा के प्रांगण में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आईं 25 टीमों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जयमंगल उरेती और विशिष्ट अतिथि नरेंद्र सिंह (स्वर्गीय विधायक विजय सिंह के पुत्र) ने किया। उन्होंने धूप-दीप प्रज्वलित कर और नारियल फोड़कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसके बाद सेवन स्टार क्लब नौडीहा और बीबीएम क्लब नौडीहा के खिलाड़ियों का परिचय कराया गया, जिसके उपरांत मुख्य अतिथि ने सर्विस कर खेल की शुरुआत की। इस प्रतियोगिता में वॉलीबॉल के अतिरिक्त कबड्डी, दौड़ और ऊंची कूद जैसी अन्य खेल विधाएं भी शामिल थीं। मंचासीन अतिथियों ने इस अवसर पर खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। आयोजन में ग्राम प्रधान नौडीहा नंदकिशोर, मधुबन ग्राम प्रधान बर्फी लाल, पूर्व प्रधान राजेंद्र प्रसाद, प्रदीप, रामबली सिंह, नंदलाल, रामनरेश गुरुजी, रामप्रसाद गुरुजी, अमरेश कुमार, संदीप कुमार सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में, विजेता और उपविजेता टीमों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया।

लावारिस बच्ची मिलीःपुलिस ने चाइल्ड लाइन को सौंपा, परिजन की तलाश जारी

सोनभद्र। सोनभद्र के बीजपुर स्थित चेतवा गांव में एक आठ वर्षीय लावारिस बच्ची मिली है। स्थानीय लेकिन बच्ची कुछ भी बता पाने की स्थिति में नहीं थी। रात अधिक होने और सुरक्षा कारणों से अमरेश बियार

पुलिस ने उसे सुरक्षित संरक्षण देते हुए चाइल्ड लाइन को सौंप दिया है। बच्ची अपना नाम और घर का पता बताने में असमर्थ रही। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम बच्ची रेणुकूट से बीजपुर की ओर आ रही एक बस से चेतवा स्टैंड पर उतरी थी। बस से उतरने के बाद वह काफी देर तक अकेली भटकती रही और घबराकर रोने लगी। उसी बस से चेतवा निवासी अमरेश बियार भी अपने परिवार के साथ उतरे थे। उन्होंने रोती हुई बच्ची को देखा और उससे पूछताछ की, बच्ची को अपने घर ले गए। उन्होंने रात भर उसकी देखभाल की। रविवार सुबह वे बच्ची को लेकर बीजपुर थाने पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। थाने में पुलिसकर्मियों ने बच्ची से उसका नाम, पिता का नाम और पता जानने की काफी कोशिश की, लेकिन डरी हुई बच्ची कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पाई। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बच्ची को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर दिया, ताकि उसे सुरक्षित आश्रय मिल सके और उसके परिजनों की तलाश की जा सके।

खुद को फिल्म प्रोड्यूसर बताने वाला व्यक्ति गिरफ्तार,मुख्यमंत्री के नाम का कर रहा दुरुपयोग-आरोप

सोनभद्र। जिले में खुद को अंतरराष्ट्रीय फिल्म प्रोड्यूसर और मानवाधिकार कार्यकर्ता बताने वाले लॉरेंस एंथोनी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर मुख्यमंत्री के नाम का दुरुपयोग कर पुलिस और प्रशासन को धमकाने तथा अवैध लाभ लेने का आरोप है। यह कार्रवाई शक्तिनगर के एक पत्रकार द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत के बाद हुई। पत्रकार ने आरोप लगाया था कि रॉबर्ट्सगंज के विकासनगर में सक्रिय लॉरेंस एंथोनी ऑडियो क्लिप्स के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम का इस्तेमाल कर अधिकारियों को प्रभावित करने का दावा करता था। शिकायत में यह भी कहा गया था कि वह भोले-भाले लोगों के बीच अपनी धौंस जमाकर अवैध लाभ प्राप्त करता था और खुद को कानून से ऊपर समझता था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी नगर ने इस मामले की जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी के दावे निराधार थे।

छोटे बच्चों में बढ़ रहा फैटी लिवर,बच्चों की फूड हैबिट पर ध्यान दें, पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत सरकार की रिपोर्ट 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' के मुताबिक, भारत के 5-9 साल के बच्चों में से एक तिहाई यानी करीब 33फीसदी बच्चों को हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या हो सकती है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आमतौर पर ये समस्या

वयस्कों को होती है और मोटे लोगों को अधिक होती है। अब बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे फैटी लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, हाई बीपी जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अगर बच्चा बहुत चिप्स, नमकीन खाता है। कोल्ड ड्रिंक पीता है या घंटों तक मोबाइल लेकर बैठा रहता है। तो यह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। हालांकि, थोड़ी कोशिश करके ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल नॉर्मल किया जा सकता है। ट्राइग्लिसराइड्स क्या है? बच्चों में इसका नॉर्मल लेवल क्या है? इसके लक्षण कैसे पहचानें, कैसे कंट्रोल करें? ट्राइग्लिसराइड्स शरीर में एक तरह का फैट है। ये खाने में मौजूद फैट, जैसे घी, तेल, मक्खन से आता है। साथ ही, अगर हम ज्यादा कैलोरी वाली चीजें खाते हैं - जैसे चॉकलेट, सोडा या ज्यादा चावल-रोटी तो शरीर इन्हें ट्राइग्लिसराइड्स में बदलकर स्टोर कर लेता है। ये बाद में एनर्जी के लिए इस्तेमाल होते हैं। अगर ये ज्यादा जमा हो जाएं, तो ब्लड वेसल्स में चिपक जाते हैं, जो दिल की धमनियों को ब्लॉक कर सकते हैं। इससे फैटी लिवर की समस्या हो जाती है। बच्चों के लिए ट्राइग्लिसराइड्स का नॉर्मल लेवल क्या है? 10 साल से कम उम्र के बच्चों में ये 75 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। 10-19 साल के किशोरों में 90 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। अगर 10 साल के बच्चे में 100 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो ये हाई लेवल माना जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स लेवल ब्लड टेस्ट से पता चलता है, जो 8-12 घंटे फास्टिंग के बाद किया जाता है। बच्चों में क्यों बढ़ रहा है ट्राइग्लिसराइड्स? 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' रिपोर्ट के अनुसार, 5-9 साल के 33फीसदी बच्चों में ट्राईग्लिसराइड्स लेवल हाई पाया गया है। इससे 16फीसदी से ज्यादा किशोर प्रभावित हैं। भारत में बच्चों में ये समस्या तेजी से बढ़ रही है आजकल बच्चे जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। वे ज्यादातर समय बर्गर, पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक्स पर निर्भर रहते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और बाहर खेलना या आउटडोर एक्टिविटीज बहुत कम हो गई है। इसके पीछे मोटापा भी बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमैच्योर बर्थ वाले बच्चे या कम वजन वाले बच्चे भी रिस्क में हैं। प्रदूषण और फैमिली हिस्ट्री भी असर डालती है। ये सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, गांवों में भी इसका आंकड़ा बढ़ रहा है। ज्यादातर मामलों में बच्चों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। ये 'साइलेंट किलर' की तरह काम करता है। लेकिन कभी-कभी त्वचा पर पीले-चिकने दाने निकल आते हैं। ये दाने अक्सर आंखों के पास या कोहनी पर होते हैं। अगर लेवल बहुत हाई है, जैसे, 500 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो तो पेट दर्द या पैंक्रियाटाइटिस (अग्नाशय में सूजन) हो सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। अगर बच्चा बहुत थकान महसूस करता है, सांस फूलती है या वजन तेजी से बढ़ रहा है तो सतर्क हो जाएं। सबसे अच्छा तरीका है कि रेगुलर ब्लड टेस्ट करवाएं। 9-11 साल की उम्र में पहला टेस्ट जरूरी है। अगर फैमिली में किसी को हाई कोलेस्ट्रॉल है, तो बच्चों में 2 साल की उम्र से ही चेक करवाना चाहिए। ट्राइग्लिसराइड्स जेनेटिक और लाइफस्टाइल दोनों कारणों से हाई हो सकता है। बच्चों में मुख्य कारण ओबिसिटी, अनकंट्रोल्ड डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या, किडनी या लिवर डिजीज है। डाइट में ज्यादा चीनी, रिफाइंड कार्ब्स और सैचुरेटेड फैट्स बड़ा रोल निभाते हैं। एक्सरसाइज की कमी से भी ये जमा हो सकता है। समय से पहले जन्म या कम वेट वाले बच्चों को ज्यादा रिस्क होता है। फैमिली हिस्ट्री, स्टेरॉयड्स या इन्फेक्शन के कारण भी हो सकता है। बच्चों में हाई ट्राइग्लिसराइड्स उन्हें बचपन में उतना प्रभावित नहीं करता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह खतरनाक होता जाता है। इससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, टाइप-2 डायबिटीज, हाई बीपी, ओबेसिटी और पेरिफेरल आर्टरी डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है। लंबे समय तक रहने पर पैंक्रियाटाइटिस हो सकता है, ये बहुत दर्दनाक होता है और मौत का कारण बन सकता है। अगर अभी कंट्रोल न किया गया तो 30 साल से कम उम्र में ही बच्चा हार्ट अटैक का शिकार हो सकता है। रिपोर्ट में 5फीसदी किशोरों में हाई बीपी भी पाया गया, जो दिल्ली में 10फीसदी तक है। ये सब मिलकर बच्चों की एक्टिव लाइफ छीन सकता है। हालांकि, जल्दी डाइग्नोज करने से 80फीसदी रिस्क कम हो जाता है। अगर बच्चे में हाई ट्राइग्लिसराइड्स डाइग्नोज हुआ है तो घबराएं नहीं। ये कंट्रोल हो सकता है। डॉक्टर से एक्शन प्लान बनवाएं। रेगुलर टेस्ट और मॉनिटरिंग करें। यह ध्यान रखें कि इसमें दवाओं से ज्यादा रोल लाइफस्टाइल का है। डाइट में बदलाव करें, चीनी कम दें या बिल्कुल न दें और जंक फूड्स न दें। बच्चों को क्या खाने को नहीं देना है, पूरी लिस्ट ग्राफिक में है। डॉ. सुनील सरीन कहते हैं कि अगर लाइफस्टाइल सही कर ली तो ये समस्या भी खत्म हो जाएगी। यह देख लिया है कि क्या खाने को नहीं देना है। अब करना क्या है? खाने में फल-सब्जियां, दलिया और मोटा अनाज ज्यादा शामिल करें। ओमेगा-3 रिच फूड्स जैसे अलसी के बीज दें। रोज 30-60 मिनट खुले मैदान में खेलने दें, साइकिलिंग करवाएं, स्विमिंग करवाएं। टीवी-स्क्रीन टाइम कम करें। ध्यान दें कि वजन कंट्रोल में बना रहे। अगर बच्चा नवजात है अगर प्रीमैच्योर बेबी है तो ब्रेस्ट मिल्क दें, जो नेचुरल फैट बैलेंस करता है। डॉक्टर की सलाह से जरूरी सप्लीमेंट्स लें। ट्राइग्लिसराइड्स से जुड़े कुछ आम सवाल और जवाब- सवालः बच्चों में ट्राइग्लिसराइड्स क्यों बढ़ रहा है? जवाबः ज्यादातर जंक फूड, कम एक्सरसाइज और मोटापे से ये समस्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 33फीसदी 5-9 साल के बच्चे प्रभावित हैं। प्रीमैच्योर बर्थ भी वजह है। सवालः लक्षण न दिखने पर इसका पता कैसे चल सकता है? जवाबः ब्लड टेस्ट आसान तरीका है। 9-11 साल में पहला चेकअप करवाएं। अगर फैमिली हिस्ट्री हो तो 2 साल से शुरू करें।सवालः जन्म के समय किन कारणों से इसका रिस्क बढ़ता है? जवाबः प्रीमैच्योरिटी या लो बर्थ वेट से रिस्क बढ़ता है। ब्रेस्टफीडिंग से बचाव। डॉक्टर मॉनिटर करें। बच्चों का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी है। एक छोटा सा बदलाव करें, जैसे जैसे शाम को पार्क ले जाना या घर पर सलाद बनाना, उनके भविष्य को संवार सकता है। अगर आपको हाई ट्राइग्लिसराइड्स का शक हो, तो आज ही डॉक्टर से बात करें। याद रखें कि प्रिवेंशन इलाज से बेहतर उपाय है।

क्रिकेटर राहुल चाहर ने पत्नी से लिया तलाक,एक्स पर बताया कम उम्र में शादी की जिसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी

नयी दिल्ली। क्रिकेटर राहुल चाहर ने फैशन डिजाइनर पत्नी ईशानी जौहर से तलाक ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। राहुल ने लिखा कि कम उम्र में शादी होने से वह खुद को और अपने जीवन की दिशा को पूरी तरह समझ नहीं पाए थे। पिछले 15 महीने अदालतों के चक्कर लगाते हुए बीते। उन्होंने लिखा, सारी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह मामला मेरे फैसले के साथ समाप्त हुआ, लेकिन इसके लिए मुझे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।राहुल उत्तर प्रदेश के आगरा के रहने वाले हैं। उन्होंने 22 साल की उम्र में 9 मार्च, 2022 को ईशानी के साथ गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। अब शादी के करीब 4 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला लिया है। वहीं, तलाक को लेकर अब तक ईशानी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।राहुल चाहर ने 'एक्स' पर लिखा- मैंने कम उम्र में शादी की थी। उस समय मैं खुद को, अपनी कीमत को और उस जीवन को पूरी तरह नहीं समझ पाया था, जिसे मैं सच में बनाना चाहता था। इसके बाद मेरे जीवन में ऐसे साल आए, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। पिछले 15 महीने मैं अदालत के चक्कर लगाता रहा। इस दौरान मैंने धैर्य रखना, सहन करना और सच से मिलने वाली ताकत को समझना

सीखा।आज मेरे जीवन का वह अध्याय कानूनी तौर पर खत्म हो गया है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह मामला मेरे फैसले के साथ समाप्त हुआ, जिसकी मुझे भारी कीमत चुकानी पड़ी।मैं इस अध्याय को गुस्से या पछतावे के साथ नहीं, बल्कि साफ सोच के साथ बंद कर रहा हूं। मैंने सीखा है कि कुछ रिश्ते हमेशा के लिए नहीं होते। वे हमें जगाने, सिखाने और बदलने के लिए आते हैं।अब मैं पहले से ज्यादा समझदार और आत्म-जागरूक हूं। मैं अपने जीवन में आगे बढ़ रहा हूं, उस भविष्य की ओर, जिसे पाने का मुझे विश्वास है कि मैं हकदार हूं। राहुल चाहर और ईशानी की मुलाकात शादी से 4 साल पहले कॉमन दोस्तों के जरिए हुई थी। यहीं से दोनों की जान-पहचान शुरू हुई। धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ीं और दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को कई साल तक डेट किया। फिर 9 मार्च, 2022 को गोवा में राहुल चाहर ने बेंगलुरु की फैशन डिजाइनर ईशानी से शादी की। इस शादी में कई क्रिकेटर, सेलिब्रिटी और दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार शामिल हुए थे। शादी के बाद दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा करते थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से दोनों की तलाक की खबरें सामने आ रही थीं।राहुल चाहर भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर के चचेरे और ममेरे भाई हैं। राहुल और दीपक की उम्र में 7 साल का अंतर है। दीपक बड़े हैं। दीपक चाहर के चाचा और उनकी मौसी ने आपस में शादी की है। इसके चलते उनकी मौसी ही उनकी चाची भी बन गईं। इसी वजह से राहुल उनके मौसी और चाचा के बेटे भी लगते हैं।राहुल चाहर का जन्म 4 अगस्त 1999 को राजस्थान के भरतपुर में हुआ था। वह दाएं हाथ के लेग स्पिनर हैं। राहुल ने 16 साल की उम्र में 2016-17 रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। एक स्पिनर के रूप में उन्होंने जल्दी ही पहचान बना ली।राहुल ने भारत अंडर-19 और इंडिया ए टीम में जगह बनाई। घरेलू लिस्ट ए और टी20 टूर्नामेंट में वह लगातार राजस्थान के प्रमुख विकेट लेने वालों में शामिल रहे। साल 2025 में उन्होंने काउंटी चैम्पियनशिप के लिए खेलते हुए डेब्यू मैच में 8/51 का रिकॉर्ड प्रदर्शन किया, जो किसी भी गेंदबाज का 166 साल में सर्वश्रेष्ठ डेब्यू रिकॉर्ड था।

टी-20 में एसोसिएट देशों का बेहतर प्रदर्शन,एसोसिएट देशों की मांग- हमें ज्यादा मैच चाहिए

नयी दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एसोसिएट देशों ने अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को चौंका दिया है। नीदरलैंड, नेपाल, अमेरिका, इटली और स्कॉटलैंड जैसी टीमों ने क्रिकेट के दिग्गजों को हार की कगार पर खड़ा कर दिया। आंकड़े गवाह हैं कि अब एसोसिएट और फुल मेंबर देशों (टेस्ट खेलने वाले देश) के बीच का अंतर तेजी से कम हो रहा है। हालांकि, इन टीमों के कोच और खिलाड़ियों का दर्द एक ही है उन्हें बड़े देशों के खिलाफ खेलने के पर्याप्त मौके नहीं मिलते। इस वर्ल्ड कप में कई ऐसे मौके आए जब बड़ी टीमें उलटफेर का शिकार होते-होते बचीं। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टीम 148 रन का पीछा करते हुए 114 रन पर उसके 7 विकेट गिर गए थे।जब आप अच्छी टीमों के खिलाफ खेलेंगे, तभी आप में यह भरोसा आएगा कि अगली बार ऐसी स्थिति में हम जीत सकते हैं।' कनाडा के कप्तान साद बिन जफर ने कहा कि बड़े देशों के खिलाफ खेलना ही असल लर्निंग ग्राउंड है। वहीं नीदरलैंड के बास डी लीडे ने याद दिलाया कि इस वर्ल्ड कप के बाद जून तक उनकी टीम का कोई शेड्यूल नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े देशों के साथ ट्राई-सीरीज या यूरोपियन टी-20 सीरीज से विकल्प तलाशे जाने चाहिए। रिकॉर्ड्स बताते हैं कि आईसीसी और बड़े बोर्ड्स अक्सर छोटी टीमों को नजरअंदाज करते हैं। 2024 वर्ल्ड कप में सुपर-8 तक पहुंचने वाली अमेरिका की टीम ने इस वर्ल्ड कप तक किसी बड़े देश के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेला। इसी तरह, 2022 में साउथ अफ्रीका को हराने वाली नीदरलैंड की टीम ने अगला टी-20 मैच सीधे 479 दिनों के बाद खेला। मौके कम मिलने के बावजूद इन टीमों के बेहतर प्रदर्शन की बड़ी वजह दुनियाभर में चल रही टी-20 लीग्स हैं। एंड्रीज गौस (यूएसए) और मोहम्मद वसीम (यूएई) जैसे खिलाड़ी राशिद खान, निकोलस पूरन और क्रिस वोक्स जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर कर रहे हैं। साथ ही, स्टुअर्ट लॉ (नेपाल), गैरी कर्स्टन (नामीबिया) और लालचंद राजपूत (यूएई) जैसे अनुभवी कोचों की मौजूदगी ने इन टीमों की सोच को प्रोफेशनल बनाया है।एसोसिएट टीमों की मजबूती का एक और स्तंभ वे खिलाड़ी हैं जो अपने मूल देश (फुल मेंबर) में मौके न मिलने पर दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। रोलोफ वैन डर मर्वे (साउथ अफ्रीका से नीदरलैंड) और ग्रांट स्टीवर्ट (इंग्लैंड से इटली) इसके बड़े उदाहरण हैं। वैन डर मर्वे ने अब सुनील नरेन से ज्यादा वर्ल्ड कप विकेट चटकाए हैं। यह 'म्युचुअल अरेंजमेंट' छोटी टीमों को अनुभव प्रदान कर रहा है।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में

हाइपोटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 mmHg (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्सु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं।

वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या ढ्रंए पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

बदबू,सीलन,फंगस वाली एसी आपको कर सकती हैं बीमार..बहुत बीमार

नयी दिल्ली। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सभी ऋतुएं होती हैं। इनमें मानसून बेहद सुकून देने वाला मौसम है।

इस मौसम में भी कुछ लोग एसी (एयर कंडीशनर) का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी देखभाल और बदली हुई जरूरतों

को नजरअंदाज कर देते हैं। नतीजतन सीलन, फंगस, बदबू, बिजली बिल में इजाफा और कई बार एसी में खराबी तक आ जाती है। इसलिए गर्मी की तुलना में मानसून में एसी की देखभाल कहीं ज्यादा जरूरी होती है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो छोटा-सा फॉल्ट बड़ी परेशानी बन सकता है।

मानसून में एसी इस्तेमाल करना इसलिए सहीं नहीं हैं मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो एसी की कार्यक्षमता पर असर डालती है। अगर समय पर सफाई और सर्विसिंग न हो तो एसी में फंगस, बैक्टीरिया और धूल जमा हो सकती है। इससे हवा दूषित हो जाती है, जो एलर्जी, सिरदर्द या सांस की समस्या का कारण बन सकती है। साथ ही नमी के कारण कूलिंग कॉइल और फिल्टर जल्दी गंदे होते हैं, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और कूलिंग कमजोर हो जाती है। कई बार एसी से पानी टपकने लगता है, जिससे दीवारें भी खराब हो सकती हैं। इसलिए मानसून में एसी की देखभाल पर खास ध्यान देना जरूरी है। अगर एसी का फिल्टर गंदा हो या पानी बाहर निकालने वाली पाइप बंद हो जाए तो नमी कमरे में जमा होने लगती है। बहुत ठंडा टेम्परेचर रखने से भी दीवारों और खिड़कियों पर पानी जम सकता है, जिससे सीलन बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में एसी की सफाई जरूरी है और टेम्परेचर ज्यादा कम नहीं रखना चाहिए।मानसून में एसी को सिर्फ चलाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी जरूरी है। इससे वह लंबे समय तक सही काम करेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी। नीचे दिए गए कुछ आसान और कारगर तरीकों को अपनाकर आप अपने एसी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं। मानसून में लगातार बढ़ती नमी, बारिश और गंदगी की वजह से एसी के कुछ खास हिस्से जल्दी प्रभावित होते हैं। जैसेकि-एयर फिल्टर बारिश के मौसम में धूल की वजह से एयर फिल्टर पर जल्दी गंदगी जम सकती है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर को निकालकर धोएं। गंदा फिल्टर हवा की क्वालिटी को खराब कर सकता है और एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकता है। ड्रेनेज पाइप- मानसून में अक्सर पानी की निकासी में दिक्कत आती है, खासकर अगर पाइप में धूल या काई जम गई हो। पानी सही से न निकलने से इनडोर यूनिट से पानी टपकने लगेगा। यह सीलन और दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर ड्रेनेज पाइप को साफ करवाना जरूरी है। आउटडोर यूनिट (फिन्स और पंखा) - बारिश में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़-पतंगे जमा हो सकते हैं। इससे यूनिट के फिन्स और पंखे पर असर पड़ता है और कूलिंग घट जाती है। इसलिए कोशिश करें कि यूनिट छांव या शेड में हो और उसके आसपास सफाई बनी रहे। कूलिंग कॉइल- बारिश में हवा की नमी कॉइल पर जमकर उसे चिपचिपा बना सकती है। इससे कूलिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है और बिजली की खपत बढ़ती है। हर सीजन की शुरुआत में इसकी डीप क्लीनिंग जरूर करवाएं। डक्ट (अगर सेंट्रल एसी है) - मानसून में डक्ट के अंदर नमी और गंदगी फंगस को जन्म देती है। इससे हवा में बदबू और एलर्जी के कण फैल सकते हैं। इसलिए मानसून में डक्ट की सफाई कराना जरूरी है, खासकर बच्चों या अस्थमा के मरीजों के लिए।कुछ लोग 16-18 डिग्री पर एसी चला देते हैं, जिससे कमरे में सीलन और पानी की बूंदें जम सकती हैं। यह सेहत और दीवारों दोनों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही बारिश के मौसम में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़े जमा हो जाते हैं, जिससे यूनिट की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। इन गलतियों से बचकर आप एसी को न सिर्फ सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि बिजली की बचत और बेहतर कूलिंग भी पा सकते हैं।नम मौसम में पूरे दिन एसी चलाना ठीक नहीं है। इससे कमरे में नमी फंस सकती है, जिससे सीलन, बदबू और फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है।

साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ती है और एसी पर दबाव पड़ता है। बेहतर है कि एसी को ड्राई मोड पर चलाएं, बीच-बीच में कमरे को हवादार करें और जरूरत हो तो सीलिंग फैन का भी इस्तेमाल करें।

इससे ठंडक बनी रहेगी और एसी पर लोड भी कम होगा।मानसून में एसी का इस्तेमाल बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सही देखभाल और संतुलित इस्तेमाल के साथ। इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो सांस, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए उन्हें साफ और आरामदायक वातावरण की ज्यादा जरूरत होती है।

मानसून में एसी का टेम्परेचर थोड़ा अलग और संतुलित रखना चाहिए। इस मौसम में वातावरण में पहले से ही नमी होती है, इसलिए बहुत कम टेम्परेचर (जैसे 16-20 डिग्री) पर एसी चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इससे कमरे में न तो ज्यादा ठंडक होती है और न ही नमी बढ़ती है। साथ ही एसी की परफॉर्मेंस बेहतर रहती है, बिजली की बचत होती है। नहीं, मानसून में एसी की इनडोर यूनिट को अलग से कवर करने की जरूरत नहीं होती क्योंकि यह पहले से ही घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर होती है और मौसम की सीधी मार से बची रहती है। जरूरत कवरिंग की सिर्फ आउटडोर यूनिट को होती है, खासकर तब जब वह खुले में लगी हो और बारिश सीधा उस पर पड़े।

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी। ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया।

लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरू कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कड़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान के साथ नागपुर के हमारे

पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते

हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें।

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।

' क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे।

आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी।

यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें।पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी।पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो

सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

भारत ही नहीं पूरी दुनिया के पैरेंट्स हैं परेशान-11 साल के बच्चे पर गोद लेने वाले पिता की हत्या का लगा आरोप

गेमिंग डिवाइस छीने जाने से था नाराज

पेंसिल्वेनिया। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में एक 11 साल के

लड़के क्लेटन पर आरोप है कि उसने अपने गोद लेने वाले पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना 13 जनवरी को उसके जन्मदिन की रात घर में हुई। बताया जा रहा है कि गेमिंग कंसोल छीन लेने की बात पर वह नाराज था। गेमिंग कंसोल एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन होती है, जिससे टीवी या मॉनिटर पर वीडियो गेम खेले जाते हैं। उस पर आपराधिक हत्या का मामला दर्ज किया गया है। अपराध की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने उसे बाल अदालत की जगह एडल्ट के रूप में मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। आरोपी गुरुवार को वह पहली बार अदालत में पेश हुआ। उसके हाथों में हथकड़ी थी। पुलिस के मुताबिक, वीडियो गेम को लेकर लड़के और उसके माता-पिता के बीच बहस हुई थी। पुलिस ने बताया कि लड़के ने अपने 42 साल के पिता डगलस डिट्ज को सिर में गोली मार दी, जब वे सो रहे थे। उसने घर के बेडरूम में रखी एक तिजोरी से रिवॉल्वर निकालकर यह वारदात की। पुलिस के अनुसार, आधी रात के कुछ समय बाद यह गोलीबारी हुई। परिवार जन्मदिन मनाने के बाद सोने चला गया था। बच्चे की मां ने पुलिस को बताया कि तेज आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। उन्होंने अपने पति को जगाने की कोशिश की, लेकिन देखा कि उनके सिर से खून निकल रहा था और वे बिल्कुल हिल नहीं रहे थे।स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, अदालत के दस्तावेजों में कहा गया है कि क्लेटन ने माना कि उसके दिमाग में पहले से कोई था जिसे वह गोली मारना चाहता था। उसने रिवॉल्वर में गोली भरी, हथौड़ी पीछे खींची और सोते समय अपने पिता को गोली मार दी। फिलहाल बच्चा हिरासत में है और आगे की सुनवाई का इंतजार कर रहा है। उसकी उम्र कम होने के कारण अधिकारियों ने उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की है। क्लेटन को साल 2018 में डगलस और जिलियन डिट्ज ने गोद लिया था।

मुनीर मेरे बॉस नहीं-सेना अब सरकार नहीं चलाती, इतिहास में था दखल,सिस्टम अब अलग है

म्यूनिख। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनके बॉस नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके बॉस प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं।18 फरवरी को फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाकिस्तान की सरकार चला रहे हैं। उन्होंने माना कि अतीत में सेना ने सीधे शासन संभाला था। आसिफ ने कहा, 'पाकिस्तान का एक सिस्टम है। हमारे इतिहास में ऐसे दौर रहे हैं, जब सेना का सरकार पर नियंत्रण रहा। एक समय ऐसा भी था जब सेना ने दखल देकर सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी।' उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान अफगानिस्तान से खतरे, आतंकवाद, भारत के साथ तनाव और कमजोर अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तानी सेना सरकार का समर्थन कर रही है। ख्वाजा आसिफ ने इससे पहले पिछले साल दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान में सरकार और सेना मिलकर देश चलाते हैं। आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल से चलाया जा रहा है। आसिफ पहले भी कई बार हाइब्रिड मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। अरब न्यूज को दिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान

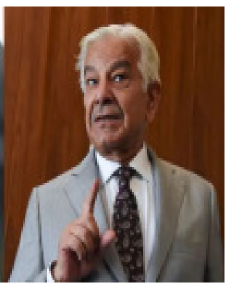

का पॉलिटिकल सिस्टम आदर्श लोकतंत्र नहीं, लेकिन जरूरी है। उन्होंने कहा था कि यह मॉडल पाकिस्तान की आर्थिक और शासन की समस्याओं को हल करने में 'कमाल' कर रहा है। ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है। आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा। आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद में हाल ही में हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लगभग सभी बड़े आतंकी संगठनों की मौजूदगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकवाद रोकने में काबुल सरकार गंभीर नहीं है। उनके मुताबिक इसे सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मिलीभगत कहना ज्यादा सही होगा। 6 फरवरी को नमाज के दौरान हुए इस आत्मघाती हमले में 31 लोगों की मौत हो गई और 169 लोग घायल हुए। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है।'इजराइल से रिश्ते सामान्य करने का सवाल ही नहीं' आसिफ ने कहा है कि फिलिस्तीनियों को उनका हक मिले बिना इजराइल से रिश्ते सामान्य करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान अभी इस विकल्प पर विचार भी नहीं कर रहा है। गाजा में संभावित अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर उनसे सवाल किया गया। इस पर आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान की भागीदारी इस बात पर निर्भर करेगी कि उस शांति बल के लिए किस तरह की शर्तें तय की जाती हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में काम करने का लंबा अनुभव है। अगर हालात और शर्तें ठीक रहीं, तो गाजा में शामिल होना दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का एक अच्छा मौका हो सकता है। आसिम मुनीर पाकिस्तान में सबसे ताकतवर शख्स बन गए हैं। उन्हें सरकार ने 4 दिसंबर 2025 को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त किया था। दोनों पदों पर उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। मुनीर पाकिस्तान के पहले सैन्य अधिकारी हैं जो एकसाथ सीडीएफ और सीओएएस दोनों पद संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नियुक्ति की सिफारिश करते हुए राष्ट्रपति को समरी भेजी थी। मुनीर को इसी साल फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था। पाकिस्तानी संसद ने 12 नवंबर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था। इसके तहत मुनीर को सीडीएफ बनाया गया। इस पद के मिलते ही उन्हें पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान भी मिल गई यानी वे देश के सबसे ताकतवर शख्स बन गए हैं। दरअसल 29 नवंबर 2022 को जनरल आसिम मुनीर को सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका मूल कार्यकाल तीन साल का था, यानी 28 नवंबर 2025 को खत्म हो गया।

सोलन में नई वैक्सीन लॉन्च-टीटनेस-डिफ्थीरिया से मिलेगी सुरक्षा,भारत दवाओं और वैक्सीन बनाने में वर्ल्ड लीडर बना-केंद्रीय मंत्री नड्डा

कसौली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला स्थित केंद्रीय

अनुसंधान संस्थान सीआरआई कसौली में नई वैक्सीन लांच की। उन्होंने सीआरआई में टीटनेस और एडल्ट डिफ्थीरिया वैक्सीन का शुभारंभ किया।इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि यह स्वदेशी वैक्सीन सीआरआई के प्रयासों से बनी है। यह नई वैक्सीन किशोरों और वयस्कों के साथ साथ गर्भवती महिलाओं को भी टीटनेस और डिफ्थीरिया से सुरक्षा प्रदान करेगी। टीडी वैक्सीन, टीटनेस टॉक्सॉइड वैक्सीन की जगह लेने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे डिफ्थीरिया के खिलाफ सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। जेपी नड्डा ने कहा कि भारत ने ड्रग्स, दवाओं और वैक्सीन बनाने में वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित किया है। इसमें सीआरआई कसौली का बहुत बड़ा रोल है। सीआरआई कसौली का 120 सालों का इतिहास है। टीडी वैक्सीन अब यूनिवर्सल इम्युनाइजेशन प्रोग्राम के तहत उपलब्ध करवाई जाएगी। टीटनेस एक बैक्टीरियल संक्रमण है, जो क्लॉस्ट्रिडियम टेटानी नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह बैक्टीरिया आमतौर पर मिट्टी, धूल और जानवरों की गंदगी में पाए जाते हैं। जब यह बैक्टीरिया किसी घाव, कट या चोट के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है, तो स्नायु तंत्र को प्रभावित करने वाला एक ज़हरीला टॉक्सिन छोड़ता है। टॉक्सिन मांसपेशियों में कठोरता और दर्दनाक ऐंठन पैदा करता है। गंभीर मामलों में चोक, निगलने में कठिनाई, सांस लेने में समस्या और मृत्यु भी हो सकती है। इसके लक्षण मांसपेशियों की कठोरता, विशेषकर जबड़े व गर्दन में दर्द, निगलने व बोलने में कठिनाई, तेज बुखार व पसीना आता है। वहीं की अगर बात करें तो डिफ्थीरिया कोराइनेबैक्टीरियम डिफ्थीरिए नामक बैक्टीरिया के कारण होने वाला संक्रमण है। यह मुख्य रूप से सांस की नली, गले और त्वचा को प्रभावित करता है। यह बैक्टीरिया एक जहरीला टॉक्सिन पैदा करता है। यह टॉक्सिन शरीर में फैलकर हृदय, तंत्रिका तंत्र और किडनी को भी प्रभावित कर सकता है। संक्रमण से सांस लेने में कठिनाई, हृदय की समस्याएं, पक्षाघात और मृत्यु तक हो सकती है। इसके लक्षण गले में गाढ़ी सफेद व ग्रे परत या झिल्ली, गले में दर्द व सूजन, सांस लेने व निगलने में कठिनाई, तेज बुखार व कमजोरी आती है।टीडी वैक्सीन इन दोनों रोगों से सुरक्षा प्रदान करती है और रोग से होने वाली मृत्यु और जटिलताओं को कम करने में मदद करेगी। सीआरआई ने टीडी वैक्सीन के निर्माण और परीक्षण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है। वैक्सीन अब यूआईपी के तहत उपलब्ध होगी। दावा किया जा रहा है कि लॉन्च के बाद अप्रैल 2026 तक 55 लाख खुराकें यूआईपी को उपलब्ध कराई जाएंगी, और भविष्य में आपूर्ति बढ़ती रहेगी।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट,लाल किले की सुरक्षा बढ़ाई गई

धार्मिक-ऐतिहासिक जगहों की सिक्योरिटी बढ़ाई

नयी दिल्ली। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद और क्विक रिएक्शन टीमों को तैनात की गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों

दिल्ली में सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लाल किले के आसपास आईईडी ब्लास्ट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। खुफिया जानकारी के अनुसार पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को अपने निशाने पर रखा है। सूत्रों के मुताबिक चांदनी चौक इलाके का मंदिर भी आतंकियों के टारगेट पर है। इसके चलते दिल्ली के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। हालांकि इन सूचनाओं की अभी जांच की जा रही है, लेकिन एहतियात बरती जा रही है। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी से निगरानी, वाहनों की जांच और अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत पुलिस या आपात सेवाओं को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, यह कदम केवल सावधानी के तौर पर उठाए गए हैं।यह अलर्ट 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास हुए एक कार बम धमाके के बाद आया है। उस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास विस्फोटकों से भरी कार फटने से आसपास खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई थी और इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की मस्जिद में हुए धमके का बदला लेने के लिए लश्कर भारत में बड़ी आतंकी वारदात के फिराक में है।

क्या आपको भी दिख रहा कोरियन ड्रामा? देसी विज्ञापनों में छाए कोरियन स्टार्स,5 साल में 350फीसदी बढ़ा पॉप का क्रेज

भारतीय बाजार में सबसे बड़े 'ब्रांड एंबेसडर' कोरियन

नयी दिल्ली। पिछले कुछ साल से भारत में कोरियन कल्चर तेजी से उभर रहा है।

संगीत में बीटीएस बैंड हो या वेब सीरीज में स्क्विड गेम्स-डिमेन हंटर्स जैसी कहानियां। भारत में 'कोरियन वेव' अपने पीक पर है। हाल ही में साउथ कोरियन सिंगर औरा ने भारत की आइकॉनिक पल्स कैंडी के लिए जिंगल गाया, डांस चैलेंज किया और एक ऐसे ब्रांड का चेहरा बने जो भारतीय स्ट्रीट कल्चर में गहराई से जुड़ा है। औरा 2023 में भारत शिफ्ट हुए। लोकल आर्टिस्ट्स के साथ काम किया। मथुरा में 'वो किसना है' गाना गाया। नगालैंड के हॉर्नबिल फेस्टिवल में परफॉर्म भी किया। औरा ने हाल ही में शिव तांडव स्तोत्र का एक नया वर्जन भी गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे बिग बॉस में नजर आ चुके हैं और बालाजी टेलीफिल्म्स के शो का हिस्सा बन चुके हैं... यानी यह ट्रेंड सिर्फ ब्रांड एंबेसडर वाला मॉडल नहीं है, बल्कि कल्चरल मिक्स है।- 362 फीसदी उछाल दिखी भारत में कोरियन पॉप स्ट्रीमिंग मेंष्ठ, यानी 5 साल में साढ़े तीन गुना उछाल।- 266 मिलियन व्यूज मिले कोरियन शो डिमेन हंटर्स को, वो भी रिलीज के महज 91 दिनों मेंष्ठ। - 84.5 फीसदी भारतीय कोरियन कंटेंट को लेकर पॉजिटिव रुझान रखते हैं। भारत इस में तीसरे स्थान पर। क्रॉक्स इंडिया ने अपने मॉनसून कैंपेन में गली बॉय फेम एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ कोरियन एक्ट्रेस चे सू बिन को लिया था। यूट्यूब पर 2 करोड़ से ज्यादा व्यू और इंस्टाग्राम पर 41 करोड़ व्यूज मिले। वहीं कोलगेट इंडिया ने एशिया-पैसिफिक कैंपेन में कोरियन सिंगर-एक्ट्रेस आईयू को शामिल किया। यूट्यूब पर इसके 5.8 करोड़ व्यूज हैं। पल्स कैंडी का विज्ञापन, देसी अंदाज में दिखे कोरियन स्टार पल्स कैंडी ने औरा के साथ हिंग्लिश जिंगल लॉन्च किया। इंस्टाग्राम पर 67 लाख से ज्यादा व्यू हैं। यह पहली बार है जब किसी बड़े ब्रांड ने कोरियन स्टार को देसी अंदाज मे पेश किया। कोका कोला का विज्ञापन, भारतीय एक्ट्रेस संग कोरियन पॉप ग्रुप भारतीय अभिनेत्री और मॉडल एंड्रिया केविचुसा ने कोरियन-पॉप ग्रुप न्यू जीन्स के साथ कोका-कोला के एक विज्ञापन में काम किया था।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को मारी गोली,गन और फ्यूल केन लेकर कर रहा था अंदर घुसने की कोशिश

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी

दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार आधी रात 1:30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।अमेरिका में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की सुरक्षा का जिम्मा यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के पास होता है। यह एक फेडरल एजेंसी है, जो होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के तहत काम करती है। सीक्रेट सर्विस की शुरुआत 1865 में हुई थी। शुरू में इसका मुख्य काम नकली नोट रोकना था। लेकिन 1901 में राष्ट्रपति विलियम मैकिन्ले की हत्या के बाद संसद ने इसे राष्ट्रपति की सुरक्षा का काम सौंप दिया। 1902 से यह सीक्रेट सर्विस की फुल-टाइम जिम्मेदारी बन गई। 1906 में कांग्रेस ने इसके लिए फंड्स और कानूनी अधिकार दिए।

ईडी ने 9-महीने में रु32000 करोड़ की संपत्ति अटैच की,यह गृह मंत्रालय के एक साल के बजट के बराबर

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस वित्त वर्ष

के पहले 9 महीने में ही 32,500 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच कर चुकी है। मोदी सरकार के दस साल का रिकॉर्ड देखें तो अटैच की गई जमीन-जायदाद में 8 गुना से अधिक बढ़ोतरी हो चुकी है। इस साल सबसे बड़ी गाज अनिल अंबानी समूह पर गिरी है, जिसकी 5600 करोड़ रु की संपत्ति अटैच हुई है। इसके अलावा क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड में 4190 करोड़ रु., पर्ल ग्रुप पोंजी के 3436 करोड़ रु. और यूनाइटेड रियल एस्टेट के 1000 करोड़ रु. की संपत्तियां भी दायरे में आई हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार 141फीसदी अधिक संपत्ति अटैच की गई है। एजेंसी कुल मिलाकर अब तक 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच कर चुकी है, जो एक साल के गृह मंत्रालय के बजट के बराबर है। इसमें बैंक खाते, एफडी, शेयर, वाहन, लग्जरी आइटम, कॉर्पोरेट प्रॉपर्टी और इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो शामिल हैं।पीएमएलए की आरंभिक जांच के बाद संपत्ति जब्त की गईं और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर कोर्ट में अटैचमेंट सही भी पाए गए। पर, बड़ी बाधा अदालती प्रक्रिया लगातार खिंचते जाने की है और मामले पर फैसला आने तक संपत्ति फ्रोजन हालत में रहती है।पिछले 12 साल में ईडी के मामलों में साढ़े सात गुना और जब्त की गई संपत्ति में 12 गुना बढ़ोतरी हुई है। कभी 2012-13 में 62 मामलों में 2347 करोड़ रु की संपत्ति जब्त की गई थी, जिसमें से अदालतों में 325 करोड़ रुपए सही पाए गए थे।आर्थिक अपराधियों के खिलाफ ईडी की रोज रोज होने वाली कार्रवाई और संपत्तियां जब्त करने की खबरों की पड़ताल के बाद भास्कर ने पाया कि अदालतों से एक लाख 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति को सही माना है। वहीं, 30 मामलों में अदालतों ने 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति वापस करने का भी आदेश दिया है।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में विदेशी करेंसी चिपके पाकिस्तानी गुब्बारे मिलने से हड़कंप

जम्मू। जम्मू के पास अखनूर सेक्टर के एक अग्रिम गांव से सोमवार को दो गुब्बारे मिले, जिन पर 5,000 रुपए का पाकिस्तानी करेंसी नोट और एक यूएस डॉलर लगा था। पुलिस ने बताया कि हवाई जहाज जैसे दिखने वाले सफेद और लाल गुब्बारे खौर बॉर्डर इलाके के गुनारा गांव में एक पेड़ पर फंसे हुए मिले।अधिकारियों ने बताया कि गुब्बारों पर एक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और एक "कोड भी लिखा था, जो पाकिस्तान की तरफ से इंटरनेशनल बॉर्डर के इस तरफ आए थे। हालांकि बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान से गुब्बारों का गिरना आम बात है, लेकिन यह पहली बार है जब उनमें विदेशी करेंसी लगे हुए मिले हैं।अधिकारियों ने बताया कि रविवार कोँ एइ ने 16 लाल गुब्बारे जब्त किए, जो पाकिस्तान की तरफ से आए थे और सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर के खेतों में गिरे थे। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के धारियाला जंगल इलाके में एक जंग लगा ग्रेनेड मिला था।हरियाणा के पानीपत जिले की रिफाइनरी में सुरक्षा बलों पर पथराव कर दिया गया। हजारों की संख्या में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों से उस वक्त तनातनी का माहौल बन गया, जब वहां मौजूद सुरक्षा बलों ने कर्मचारियों को एक दायरे में रहकर शांति पूर्वक अपना धरना प्रदर्शन करने की बात कही।

नासा ने कहा- सुनीता का अंतरिक्ष में फंसना खतरनाक था,इसे कल्पना चावला के साथ हुए हादसे जैसा माना

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने माना कि सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष में फंसना खतरनाक था। नासा ने इस

मिशन को दुर्घटना की टाइप ए कैटेगरी में रखा गया है। इसी कैटेगरी को दुर्घटना की सबसे गंभीर कैटेगरी माना जाता है। चैलेंजर और कोलंबिया शटल दुर्घटनाओं के लिए भी इसी कैटेगरी का इस्तेमाल किया गया था। कोलंबिया शटल दुर्घटना में ही भारत की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला का निधन हुआ था। 19 फरवरी 2026 को जारी 311 पेज की रिपोर्ट में नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमान ने लिखा- सुनीता विलियम्स के मिशन में गंभीर खामियां थी। उन्होंने कमियों को नजरअंदाज करने के लिए एजेंसी और बोइंग की कड़ी आलोचना की। दरअसल, सुनीता विलियम्स साल 2024 में 8 दिन के मिशन पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंची थीं, लेकिन तकनीकी कारणों से उनकी वापसी में 9 महीने से ज्यादा समय लग गया था।

नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 27 साल के बाद रिटायरमेंट लिया है। उनका रिटायरमेंट 27 दिसंबर 2025 से लागू हुआ। हालांकि नासा ने इसकी घोषणा 20 जनवरी को की थी। सुनीता 27 साल पहले 1998 में नासा से जुड़ी थीं। उन्होंने नासा के 3 मिशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए।

पहली बार वह 9 दिसंबर 2006 में अंतरिक्ष में गई थी। सुनीता ने अंतरिक्ष में 9 स्पेसवॉक की। इस दौरान उन्होंने 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री में सबसे ज्यादा है। सुनीता पिछले महीने भारत दौरे पर आईं थीं। उन्होंने दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में हिस्सा भी लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। भारत आना घर वापसी जैसाः भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के एनडीटीवी के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा, 'मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे। घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा। अंतरिक्ष में बिताए दिन परः क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा- हां, बिल्कुल। जब आप धरती को स्पेस से देखते हैं, तो महसूस होता है कि हम सब एक हैं और हमें ज्यादा करीब से मिलकर काम करना चाहिए। अंतरिक्ष में फैले कचरे परः पिछले एक दशक में यह एक बड़ी चुनौती बन गई है और इसे मैनेज करने के लिए नई टेक्नोलॉजी की जरूरत है।

अंतरिक्ष मिशन को याद कियाः इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में बिताए समय और उस वक्त के चुनौतीपूर्ण दौर पर कहा, जब 8 दिन का मिशन तकनीकी दिक्कतों के कारण नौ महीने से ज्यादा का हो गया। इस दौरान ISS पर मल्टी-कल्चरल क्रू के साथ त्योहार मनाने के विजुअल्स भी दिखाए गए।

क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक असहज होता है, जिनका

मेंस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल क्रिया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। लगभग इन सभी महिलाओं को पीरियड्स फ्लू के लक्षणों का सामना भी करना

पड़ता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साथ ही जानेंगे कि- इसके क्या लक्षण हैं? पीरियड्स फ्लू के क्या कारण हैं? इससे कैसे राहत मिल सकती है? पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेंस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली पुष्टि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है। लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हॉर्मोनल बदलाव-एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में सूजन और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं। 2. पोषण की कमी- अगर शरीर में विटामिन डी, आयरन, जिंक या मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो तो थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण-सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज-लूपस और

रुमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में सूजन हो सकती है। 6. एलर्जी-खाने या किसी और चीज से एलर्जी होने पर भी पीरियड फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसमें मतली , सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। 7. एंडोमेट्रिओसिस-इस स्थिति में बच्चेदानी की परत जैसा टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगता है, जिससे भारी और दर्दनाक पीरियड, पेट फूलना और थकावट होती है। 8. एडेनोमायोसिस-इसमें गर्भाशय की परत मांसपेशियों में अंदर तक बढ़ जाती है, जिससे पीरियड के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और तेज ऐंठन होती है। 9. थायरॉइड की समस्या-हाइपोथाइरॉइडिज्म और हाइपरथाइरॉइडिज्म दोनों से हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है, जिससे पीरियड से पहले बुखार और फ्लू जैसे लक्षण आ सकते हैं। 10. दवाइयां-कुछ दवाइयां, जैसे पेनकिलर या बर्थ कंट्रोल पिल्स गले में खराश, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द जैसे फ्लू के लक्षण पैदा कर सकती हैं।

कैसे मिलेगी राहत-अगर आपको पीरियड फ्लू हो गया है, तो ऐसे कई आसान उपाय हैं जिनसे आप इसके लक्षणों को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। अगर इन सुझावों पर ध्यान दें तो ये मददगार हो सकता है-पर्याप्त आराम करेंः शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त नींद और आराम दें। इससे थकान कम होगी और शरीर संक्रमण से लड़ पाएगा। पर्याप्त पानी पिएंः खूब सारा पानी और हर्बल चाय जैसी तरल चीजें पिएं। इससे सिरदर्द, पेट फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण कम हो सकते हैं। गर्म सिंकाई करेंः पेट के निचले हिस्से या कमर पर गर्म पानी की बोतल या हीट पैड रखने से ऐंठन और मांसपेशियों के दर्द में राहत मिलती है। दवाई लेंः इबुप्रोफेन या पेरासिटामोल जैसी ओवर-द-काउंटर दवाएं दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकती हैं। ट्रिगर से बचेंः कैफीन, तीखा खाना और शराब जैसी चीजें पीरियड फ्लू, बदहजमी और माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। इनसे दूर रहना बेहतर है। हल्की एक्सरसाइज करेंः अगर शरीर साथ दे तो हल्की सैर या योग करें। इससे न सिर्फ शारीरिक लक्षणों में राहत मिलती है, बल्कि तनाव और बेचैनी भी कम होती है। गले के लिए गरारे करेंः अगर पीरियड से पहले गले में खराश हो रही है, तो नमक के पानी से गरारे करें लें, खासकर रात में जब दर्द ज्यादा महसूस होता है। गर्म कपड़े पहनेंः अगर आपको पीरियड के दौरान बुखार या ठंड लग रही हो, तो खुद को गर्म रखें और परतों में कपड़े पहनें। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करेंः अगर आपका गला सूख रहा है या जलन हो रही है, तो कमरे में ह्यूमिडिफायर लगाएं। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और राहत मिलेगी।

हुसैन दलाल 'ओ रोमियो' में छोटू बन छाए इंडस्ट्री में,विशाल भारद्वाज ने पूरा रोल देकर पूरा किया सपना

मुंबई। फिल्म ओ रोमियो हाल ही में रिलीज हुई है और दर्शकों के बीच काफी पसंद की जा रही है। फिल्म में हुसैन दलाल ने 'छोटू' का

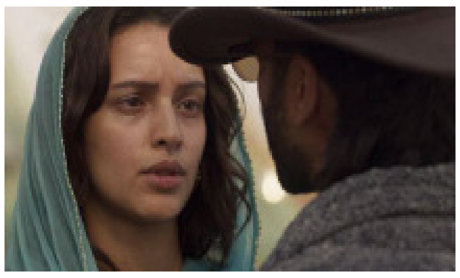

किरदार निभाया है, जिसमें उन्होंने अपनी सहज अभिनय क्षमता दिखाई है। हुसैन अक्सर शर्मीले और शांत स्वभाव के हैं, लेकिन इस फिल्म के लिए उन्होंने अपने डर को पार किया और डायरेक्टर विशाल भारद्वाज को सीधे मैसेज भेजा, जिसके बाद उन्हें मौका मिला। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ काम करना उनके लिए सपनों के सच होने जैसा अनुभव था। यह फिल्म उन्होंने कुछ साल पहले तैयार की थी और उसे विभिन्न फेस्टिवल में दिखाया गया। विशाल भारद्वाज सर ने यह फिल्म तीन-चार साल पहले देखी और उन्हें यह बहुत पसंद आई। उनकी तारीफ और फिल्म के बारे में उनका संदेश मेरे पास आया। मैं आम तौर पर किसी को काम के लिए डायरेक्ट मैसेज नहीं करता, लेकिन इस बार मैंने हिम्मत जुटाई और उन्हें मैसेज किया। सर ने बहुत ही शालीनता और आदर के साथ मुझे जवाब दिया। इसके बाद मुझे टेस्ट के लिए बुलाया गया। मैंने टेस्ट दिया और कुछ महीने तक परिणाम का इंतजार किया। फिर अचानक मुझे कॉल आया और बताया गया कि मैं फिल्म में चुना गया हूं। यह मेरे लिए एक बड़ा मौका और सपने के सच होने जैसा अनुभव था। सुजात सौदागर, जो कि डायरेक्टर हैं, उन्होंने द अंडरबग नाम की एक फेस्टिवल फिल्म बनाई थी, जिसमें अली फजल और मैं मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म उन्होंने कुछ साल पहले तैयार की थी और उसे विभिन्न फेस्टिवल में दिखाया गया। विशाल भारद्वाज सर ने यह फिल्म तीन-चार साल पहले देखी और उन्हें यह बहुत पसंद आई। उनकी तारीफ और फिल्म के बारे में उनका संदेश मेरे पास आया।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसलाः बिना अनुमति 'खामोश' की नकल पर रोक, ऑनलाइन कंटेंट हटाने के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रिपोर्ट सुधांशु शर्मा मुंबई।बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेता

एवं पूर्व सांसद शत्रुघ्न सिन्हा के पक्ष में अहम अंतरिम आदेश जारी करते हुए उनके नाम, छवि, आवाज़ और प्रसिद्ध संवाद शैली के अनधिकृत इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। अदालत ने साफ कहा है कि बिना सहमति इस तरह का उपयोग क़ानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया से ऐसे सभी वीडियो, ऑडियो और अन्य सामग्री को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है, जिनमें अभिनेता की पहचान या उनकी मशहूर शैली 'खामोश' का इस्तेमाल किया गया हो। इसके साथ ही भविष्य में भी इस तरह की सामग्री अपलोड करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा की बोलने की अनोखी शैली और संवाद अदायगी उनकी व्यक्तिगत पहचान का हिस्सा है, जिसे व्यावसायिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अदालत के अनुसार, यह मामला व्यक्तित्व अधिकारों (Personality Rights) और निजता के उल्लंघन से जुड़ा है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि तकनीक के दौर में किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की पहचान का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे सख्ती से निपटना ज़रूरी है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 मार्च की तारीख तय की गई है।

आज सलीम खान हो सकते हैं डिस्चार्ज,मुलाकात के बाद हेल्थ अपडेट देते हुए एजाज खान बोले- हालत में सुधार हो रहा है

मुंबई। सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को ब्रेन हेमरेज के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। बुधवार को लीलावती अस्पताल के एक स्पेशल टीम बनाई गई, जिसने उनकी स्थिति का आकलन किया। बुधवार को लीलावती अस्पताल के डॉक्टर जलील पारकर ने जानकारी दी थी कि सलीम खान की डिजिटल

सब्स्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी की गई। डॉक्टरों के मुताबिक, यह ब्रेन सर्जरी नहीं होती। डीएसए एक एडवांस्ड डायग्नोस्टिक टेस्ट है, जिससे दिमाग की नसों की स्थिति और संभावित ब्लॉकेज को साफ तरीके से देखा जाता है। डॉक्टरों ने बताया था कि प्रक्रिया के बाद सलीम खान की हालत स्थिर रही। उन्हें कुछ समय तक निगरानी में रखने का फैसला लिया गया। मेडिकल टीम लगातार उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए है।वहीं, शुक्रवार को जानकारी सामने आई कि सलीम खान का परिवार चाहता है कि उनकी हेल्थ से जुड़ी जानकारी प्राइवेट रखी जाए। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को अस्पताल के सार्वजनिक बयान से सलमान खान और उनका परिवार नाराज था। परिवार के करीबी सूत्र ने कहा कि सेहत निजी मामला है और मीडिया से बात परिवार पर छोड़नी चाहिए।पर्सनल लाइफ की बात करें तो सलीम खान ने दो शादियां कीं। उनकी पहली शादी 18 नवंबर 1964 को सलमा खान (पूर्व नाम सुशीला चरक) से हुई। इस शादी से उनके चार बच्चे सलमान खान, अरबाज खान, सोहेल खान और अलवीरा खान हुए। बाद में 1981 में सलीम खान ने एक्ट्रेस हेलन रिचर्डसन से शादी की। कुछ सालों बाद सलीम खान और हेलन ने अर्पिता को गोद लिया।उनके बड़े बेटे सलमान खान हिंदी सिनेमा के सबसे टॉप एक्टर्स में गिने जाते हैं, जबकि अरबाज और सोहेल भी फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उनकी बेटी अलवीरा की शादी एक्टर-डायरेक्टर अतुल अग्निहोत्री से हुई, वहीं अर्पिता की शादी एक्टर आयुष शर्मा से हुई है।

डॉक्टर ने सलीम खान की हेल्थ अपडेट दी थी। हालांकि, उसके बाद कथित तौर पर परिवार की ओर से कोई मेडिकल अपडेट पब्लिक न करने की बात कही गई, जिसके बाद उनकी हेल्थ को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आया। वहीं, जी न्यूज की रिपोर्ट में शुक्रवार को दावा किया गया कि एक्टर एजाज खान ने सलीम खान

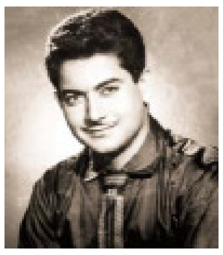

से मुलाकात के बाद बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। सलीम खान फिलहाल आईसीयू में हैं और सब ठीक रहा तो सोमवार तक वह डिस्चार्ज हो जाएंगे। बता दें कि सलीम खान की तबीयत का हाल लेने लीलावती अस्पताल में परिवार के अलावा सेलेब्स भी पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को रणवीर सिंह, फराह खान और यूलिया वंतूर जैसे सेलेब्स अस्पताल पहुंचे। रणवीर सिंह, जिन्हें हाल ही में लॉरेंस गैंग से धमकी मिली थी, बढ़ी हुई सुरक्षा के बीच अस्पताल पहुंचे। उनके साथ सुरक्षा काफिला भी मौजूद रहा।सलीम खान को मंगलवार सुबह ब्रेन से जुड़ी दिक्कत के बाद लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे इमरजेंसी में लाया गया। शुरुआती जांच के बाद डॉक्टरों की

मेरा हसबैंड गे है, घरवाले ये नहीं जानते,मैं तलाक के लिए कहती हूं तो आत्महत्या की धमकी देते हैं, मैं क्या करूं

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से सवाल जवाब के माध्यम से-सवाल- मेरी उम्र 33 साल है। मैं झारखंड की रहने वाली हूं। चार साल पहले सिंगापुर में मेरी अरेंज मैरिज हुई। लड़का मेरे पापा के दोस्त का बेटा था। पापा ने बस ये देखा कि लड़के की जॉब

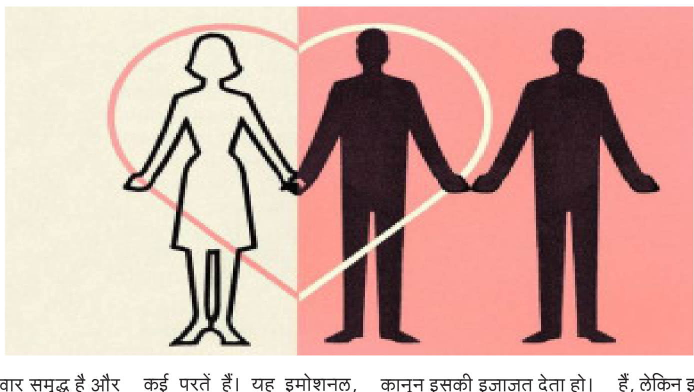

अच्छी है, परिवार समृद्ध है और शादी कर दी। शादी के बाद चार महीने गुजर गए और मेरे हसबैंड ने मुझे हाथ भी नहीं लगाया। मुझे ये बहुत अजीब लगता था, लेकिन किसी से कुछ कहने की हिम्मत नहीं हुई। शादी के छह महीने गुजर जाने के बाद मुझे पता चला कि मेरे हसबैंड गे हैं और ये शादी उन्होंने अपने पैरेंट्स के दबाव में की है। उनके घरवालों को भी उनकी सेक्शुएलिटी के बारे में कुछ भी पता नहीं था। शादी को चार साल हो गए हैं और हम दोनों भाई-बहन की तरह रहते हैं। हमारे परिवार इतने कंजरवेटिव हैं कि मेरी भी उनसे बात करने की हिम्मत नहीं होती। मेरे हसबैंड कहते हैं कि अगर घरवालों को उनका सच पता चल गया तो वो आत्महत्या कर लेंगे। उनके पिता ये बर्दाश्त ही नहीं कर सकते कि उनका बेटा होमोसेक्शुअल है। सबकी परवाह करने, सबकी खुशी का ख्याल रखने में मेरी खुशियों का गला घुट गया है। मैं क्या करूं, प्लीज हेल्प मी? आप एक बहुत तकलीफदेह अनुभव से गुजर रही हैं। शादी का संबंध एक भरोसे और विश्वास के साथ शुरू होता है। इस रिश्ते में भरोसे की जगह आपको दुख, धोखा और अकेलापन मिला। इस दुख की कई परतें हैं। यह इमोशनल, सेक्शुअल पेन तो है ही, साथ ही इसकी कई सांस्कृतिक परतें भी हैं। शादी के चार साल गुजर जाने के बाद भी आप और आपके पति के बीच कोई फिजिकल रिलेशन नहीं है। मैरिटल और लीगल, दोनों ही नजरिए से यह कोई मामूली बात नहीं। इस रिश्ते में म्यूचुअल कंसेंट और इंटीमेसी, दोनों ही चीजों का अभाव है, जो कि शादी की बुनियाद है। हिंदू मैरिज एक्ट के तहत अगर विवाह में शारीरिक निकटता नहीं हुई है तो वह शादी वैध नहीं मानी जाती और इस आधार पर कोर्ट से शादी को रद्द किया जा सकता है। भारतीय विवाह कानून इसे शादी को खत्म करने का वैलिड आधार मानता है। आपके पास दोनों ही विकल्प मौजूद हैं। आप अपनी शादी को कोर्ट से रद्द भी करवा सकती हैं या फिर आपसी सहमति के आधार पर तलाक भी ले सकती हैं। आपके पति ने यह जानते हुए भी आपसे शादी की कि वे समलैंगिक (गे) हैं। मानवीय आधार पर उनकी तकलीफ को भी समझा जा सकता है। भारतीय समाज इस मामले में आज भी बहुत कंजरवेटिव है और यहां समलैंगिक होना किसी अपराध से कम नहीं, भले ही कानून इसकी इजाजत देता हो। ऐसे में उनके मन में रिजेक्शन का डर होगा, अपना सच बताने का साहस नहीं होगा। ये सारी बातें वैलिड हैं और इसके लिए इंपैथी भी है। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने आपके साथ जो किया, वो गलती कम नहीं हो जाती। अपना सच बताए बगैर, किसी को अंधेरे में रखकर शादी करना और फिर आत्महत्या करने की बात करना, इसे किसी भी तर्क से जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए याद रखिए कि अगर इस पूरे प्रकरण में सचमुच कोई विक्टिम है और किसी के साथ गलत हुआ है तो वो आप हैं। ये 10 बातें आप याद रखिए और खुद को रोज याद दिलाइए। जहां एक ओर शादी में इंटीमेसी और सेक्स का न होना सामाजिक तौर पर सामान्य प्रतीत होता है, वहीं मनोवैज्ञानिक तौर पर इसके प्रभाव बहुत गहरे होते हैं। यह एक तरह का साइकोलॉजिकल ट्रॉमा है, जिसका असर उतना ही घातक होता है, जितना कि इमोशनल नेगलेक्ट का होता है। व्यक्ति में शर्म और डर के भाव पैदा होते हैं, आत्मविश्वास खत्म हो जाता है। ऐसे में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी पर आधारित काउंसलिंग और ट्रॉमा फोकस्ड थेरेपी से मदद मिल सकती है। आपके पति का ये कहना कि अगर उनकी सच्चाई के बारे में घरवालों को पता चला तो वो आत्महत्या कर लेंगे। इस बात को गंभीरता से लेने की जरूरत है क्योंकि यह एक मेंटल हेल्थ रिस्क है। लेकिन याद रखिए कि यह आपकी जिम्मेदारी या आप पर कोई बोझ नहीं है। आप परवाह कर सकती हैं, लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि आप अपने वेलबीइंग, अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को इग्नोर करें। यहां कुछ बातें ध्यान रखने की हैं- किसी व्यक्ति का आत्महत्या की धमकी देना इस बात का संकेत है कि वो मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है। उसे मेडिकल अटेंशन की जरूरत है। उसे किसी प्रोफेशनल काउंसलर की मदद चाहिए। यह ब्लैकमेलिंग है और इससे डरने की जरूरत नहीं है। यह धमकी कोई वैलिड कारण नहीं है कि आप उसकी बात मानकर चुप रहें। भारतीय कानून आपको इस शादी से अलग होने की इजाजत और सहूलियत देता है। मेरा सुझाव है कि आप डरने की बजाय अपने और अपने पति के घरवालों से इस बारे में खुलकर बात करें और डिवोर्स की प्रक्रिया शुरू करें। आप म्यूचुअल कंसेंट से डिवोर्स ले सकती हैं और अगर ऐसा मुमकिन न हो तो अपनी शादी को रद्द करने के लिए भी कोर्ट में अर्जी दे सकती हैं। लेकिन इसकी शुरुआत बातचीत से ही करनी होगी। पति से इस विषय पर बात कैसे करें- सबसे पहले खुद को मेंटली और इमोशनली तैयार करें। बात करने के लिए शांत, प्राइवेट जगह चुनें। बातचीत का मुख्य पहलू है- शांति के साथ सच बोलना। दोष नहीं देना। बात की शुरुआत इंपैथी से करें, आरोप न लगाएं। जैसेकि 'मैं तुम्हारी तकलीफ भी समझ सकती हूं। मुझे पता है, तुम पर बहुत प्रेशर है। लेकिन ये चुप्पी मुझे तकलीफ दे रही है। मैं इस तरह से जीना डिजर्व नहीं करती। मुझे भी प्यार और खुशी पाने का हक है।' मौजूदा रिश्ते में स्पष्ट बाउंड्री बनाएं। जैसेकि- 'मैं इस शादी में नहीं रह सकती, जहां कोई इंटीमेसी नहीं है। तुम्हारे लिए मेरे मन में बहुत सम्मान और हमदर्दी है, लेकिन मुझे अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना है।' बातचीत में आगे का रास्ता क्लीयर करें। जैसेकि- 'हमें आपसी सहमति से सम्मान के साथ अलग हो जाना चाहिए। इससे हम दोनों का सम्मान बना रहेगा और पब्लिकली कोई विवाद नहीं होगा।' बिना कोई जिम्मेदारी या अपराध बोध महसूस किए अपने पति की भावनाओं और

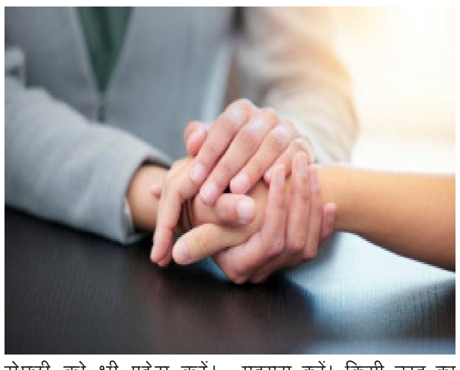

सेफ्टी को भी एड्रेस करें। जैसेकि- 'अगर तुम्हें निराशा और अकेलापन महसूस होता है तो तुम काउंसलर की हेल्प लो। तुम्हारी जिंदगी और खुशी मायने रखती है, लेकिन मैं दुखी और नाखुश होकर इस रिश्ते को ढोती रहूं तो इससे तुम्हारा अकेलापन दूर नहीं होगा।' अगर वह सचमुच सुसाइडल होने लगे तो तुरंत प्रोफेशनल हेल्प लें। दोनों परिवारों से बात कैसे करें - अपने माता-पिता से सम्मान के साथ बातचीत शुरू करें। अपने अनुभव साझा करें। शर्म, संकोच, डर न महसूस करें। पूरी बात उन्हें ईमानदारी से बताएं। अपना सच साफ शब्दों में बयां करें। अपना आगे का रास्ता भी बताएं। साफ बताएं कि आप खुश नहीं हैं। आप इस शादी में अब नहीं रह सकतीं। किसी भी तरह का क्रोध, नाराजगी न दिखाएं। उन्हें भी किसी तरह का दोष न दें। सिर्फ अपना सच पूरी ईमानदारी से बोलें। हसबैंड के माता-पिता से अगर हसबैंड की सहमति हो, तभी बात करें।तभी बात करें, जब आप सुरक्षित महसूस करें। किसी तरह का आरोप न लगाएं। संक्षेप में सिर्फ अलग होने की बात कहें। बताएं कि पति और मेरे बीच कुछ ऐसे मतभेद हैं, जो ठीक नहीं हो सकते। हम आपसी सहमति से यह शादी खत्म कर रहे हैं। अगर हसबैंड की सेक्शुएलिटी के बारे में बताने से उसे रिस्क हो तो इस बात को उजागर न करें। चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लानः- (सप्ताह1) ग्राउंडिंग और क्लैरिटी- रोज डायरी लिखें। खुद को याद दिलाएं, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। मैं अपनी तरफ से ईमानदार थी। दूसरे व्यक्ति के लिए इंपैथी रखें, लेकिन याद रखें, अपने लिए भी इंपैथी जरूरी है। ब्रीदिंग टेक्नीक फॉलो करें।स्लीप हाइजीन का ध्यान रखें। 8 घंटे की नींद जरूर लें। सेहत और फूड का भी ख्याल रखें। (सप्ताह 2) इमोशनल एक्सप्रेशन- कोई वुमेन सपोर्ट ग्रुप जॉइन करें। कोई थेरेपी ग्रुप जॉइन करें। जरूरत हो तो प्रोफेशनल हेल्प लें। काउंसलर के पास जाएं। (सप्ताह 3) एसर्ट करना सीखें- किसी तरह का गिल्ट न महसूस करें। खुद को रोज याद दिलाएं- इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। याद रखें, सेल्फ केयर आपकी जिम्मेदारी है। रोज आईने के

सामने खड़ी होकर कहें- 'आय केयर फॉर मायसेल्फ।' (सप्ताह 4) प्रैक्टिकल प्लानिंग- अपने सारे पर्सनल डॉक्यूमेंट जमा करें। सारे जरूरी कागज एक जगह सेव करें। किसी पहचान के लॉयर से संपर्क करें। पति का घर छोड़कर कहीं और रिलोकेट करें। शांति और धैर्य से आगे की प्लानिंग करें। निष्कर्षः- आपकी शादी की बुनियाद ही गलत थी। यह झूठ और धोखे के साथ बना रिश्ता था। इस शादी को तोड़कर आप कुछ भी गलत नहीं करेंगी। इसलिए किसी तरह का गिल्ट मत महसूस करिएगा। आपके पास पूरा अधिकार है कि आप गरिमा और सम्मान के साथ इस रिश्ते को खत्म करें और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ें। दूसरों के प्रति करुणा बरतना हमारी इंसानी जिम्मेदारी तो है, लेकिन हमारी सबसे पहली और सबसे बड़ी जिम्मेदारी खुद अपने प्रति है। आप अपने प्रति वो जिम्मेदारी निभाइए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।